वर्ष 24, अंक 136, पृष्ठ 08, मूल्यः 3.00

अखंड भारत संदेश

www.akhandbharatsandesh.net

प्रयागराज से प्रकाशित

नगर संस्करण प्रयागराज | मंगलवार 25 नवंबर 2025 | विश्व निर्माण एवं मानव विकास को द्रुतगति प्रदान करने हेतु क्रियायोग आश्रम एवं अनुसंधान आश्रम की अनुपम भेंट

बॉलीवुड के 'ही-मैन' धर्मेंद्र पंचतत्व में विलीन

मशहूर एक्टर धर्मेंद्र का सोमवार को मुंबई में उनके घर पर 89 साल की उम्र में निधन हो गया। एक्टर को इस महीने की शुरूआत में सांस की दिक्कतों के चलते ब्रीच कैंडी हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया था। बॉलीवुड के ही-मैन कहे जाने वाले धर्मेंद्र अपने पीछे छह दशकों से ज्यादा की शानदार सिनेमाई विरासत छोड़ गए हैं। उनकी आखिरी ऑन-स्क्रीन मौजूदगी इक्कीस में होगी, जो 25 दिसंबर, 2025 को रिलीज होगी। धर्मेंद्र के परिवार में उनकी पत्नियां, प्रकाश कौर और हेमा मालिनी, और छह बच्चे हैं झ एक्टर सनी देओल, बॉबी देओल, ईशा देओल, और अहाना देओल, साथ ही अजीता और विजेता।

इंडियन सिनेमा के सबसे बड़े स्टार्स में से एक माने जाने वाले धर्मेंद्र ने अपने करियर की शुरूआत 1960 की फिल्म दिल भी तेरा हम भी तेरे से की थी। गंभीर और हास्य भूमिकाओं में समान रूप से अपनी प्रतिभा साबित करने वाले अभिनेता को 2012 में देश के तीसरे सबसे बड़े नागरिक सम्मान पद्म भूषण से सम्मानित किया गया था। छह दशकों के करियर में उन्होंने शोले, यादों की बारात, मेरा गाँव मेरा देश, प्रतिज्ञा, चुपके चुपके, नौकर बीवी का, फूल और पत्थर, सत्यकाम, आई मिलन की बेला, दिल ने फिर याद किया, आए दिन बहार के, आँखें, आया सावन झूम के, जीवन मृत्यु, जुगनू, चरस, धरम वीर, आजाद, गजब, लोहा, हुकूमत और अपने सहित कई हिट फिल्मों में काम किया।

पीएम मोदी ने दी श्रद्धांजलि, कहा- भारतीय सिनेमा में एक युग का अंत

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने धर्मेंद्र को श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि उनके निधन से भारतीय सिनेमा में एक युग का अंत हो गया है। मोदी ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, ह्यह्यधर्मेंद्र जी का निधन भारतीय सिनेमा के एक युग का अंत है। वह एक प्रतिष्ठित फिल्मी शख्सियत और अद्भुत अभिनेता थे जिन्होंने अपने हर किरदार में आकर्षण और गहराई पैदा की। जिस तरह से उन्होंने विविध भूमिकाएं निभायीं, उसने अनगिनत लोगों के दिलों में गहरी छाप छोड़ी। प्रधानमंत्री ने कहा, धर्मेंद्र जी अपनी सादगी, विनम्रता और गर्मजोशी के लिए भी जाने जाते थे। इस दुख की घड़ी में मेरी संवेदनाएं उनके परिवार, मित्रों और असंख्य प्रशंसकों के साथ हैं। ओम शांति।

उनकी प्रोफेशनल लाइफ के अलावा, उनकी पर्सनल लाइफ भी लाइमलाइट में रही। आइए उनके परिवार पर एक नजर डालते हैं।

धर्मेंद्र के शानदार रोल्स और उनके बेटों बॉबी और सनी देओल की वजह से देओल परिवार ने हिंदी फि ल्म इंडस्ट्री में अपनी जगह बनाए रखी है, जिन्होंने एक जमाने को पहचान दी। उनकी पत्नी हेमा मालिनी को बॉलीवुड की 'ड्रीम गर्ल' भी कहा जाता है। इसके अलावा, उनकी बेटियों ईशा और अहाना देओल ने भी बॉलीवुड में अपनी जगह बनाई है।

एक ऐसा करियर जिसने हिंदी सिनेमा को पहचान दी

धर्मेंद्र, जिन्हें प्यार से बॉलीवुड का 'ही-मैन' कहा जाता है, अपने पीछे एक ऐसी फि ल्मोग्राफी छोड़ गए हैं जिसने भारतीय सिनेमा के शिखर पर असर डाला। उन्होंने छह दशकों में 300 से ज्यादा फि ल्मों में जबरदस्त एक्शन हीरो से लेकर सेंसिटिव रोमांटिक लीड तक सब कुछ निभाया।

1966 की फि ल्म फूल और पत्थर में शक्ति सिंह के रोल से लेकर, कल्ट-क्लासिक फि ल्म शोले में वीरू के मशहूर रोल से लेकर रोमांटिक कॉमेडी ड्रामा चुपके चुपके तक, उनकी एक्टिंग में दम और चार्म दोनों थे। उनकी ऑन-स्क्रीन प्रेजेंस और गहरी आवाज ने उन्हें घर-घर में मशहूर कर दिया।

एक फि ल्मी परिवार की विरासत

स्क्रीन के अलावा, धर्मेंद्र बॉलीवुड के सबसे जाने-माने परिवारों में से एक के लीडर थे। उनके छह बच्चे थे, जिनमें एक्टर सनी देओल, बॉबी देओल और ईशा देओल शामिल हैं। उन्होंने पहले प्रकाश कौर से और फिर एक्ट्रेस हेमा मालिनी से शादी की।

दुनिया अब अमेरिका पर निर्भर नहीं, ये अहसास विश्व को कराया

दक्षिण अफ्रीका

दक्षिण अफ्रीका में संपन्न ॠ20 शिखर सम्मेलन ने वैश्विक राजनीति का एक कटु, किंतु स्पष्ट सत्य उजागर कर दिया कि दुनिया अब अमेरिका पर निर्भर नहीं रही। यह वह क्षण था जब दुनिया की सबसे बड़ी शक्ति अपनी जिम्मेदारियों से अनुपस्थित रही और एक विकासशील राष्ट्र भारत ने अपने नेतृत्व, संतुलन और परिपक्वता से पूरे शिखर सम्मेलन की धुरी बदल दी। अमेरिका की गैर-हाज़िरी केवल एक प्रोटोकॉल त्रुटि नहीं थी; यह वैश्विक व्यवस्था में उसकी गिरती साख का सार्वजनिक प्रदर्शन था। दक्षिण अफ्रीका ने जिस स्पष्टता से यह कह दिया कि वह अपने राष्ट्रपति के सम्मान में किसी जूनियर अमेरिकी अधिकारी को बैटन नहीं सौंप सकता, वह अमेरिकी कूटनीति के लिए एक सीधा और तीखा संदेश था। और जब कनाडा के प्रधानमंत्री ने कहा कि ह्लदुनिया अमेरिका के बिना भी आगे बढ़ सकती हैह्व, तो यह वह वाक्य था जिसे दस वर्ष पहले सोचना भी कठिन था। परंतु इस पूरे परिदृश्य से यदि किसी की भूमिका सबसे अधिक उभरी तो वह थी भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की।

जहाँ अमेरिका गायब था, वहाँ भारत सक्रिय था। जहाँ पश्चिमी देश मौन थे, वहाँ भारत ने ग्लोबल साउथ की आवाज उठाई। जहाँ ॠ20 नेतृत्व की विफलता दिख रही थी, वहाँ मोदी ने क्ष्रअ और ॠ20 के बीच पुल का काम किया। क्ष्रअ बैठक में प्रधानमंत्री का यह कहना कि वठरउ सुधार अपरिहार्य है, आतंकवाद पर डबल स्टैंडर्ड बर्दाश्त नहीं, ग्लोबल साउथ को सामूहिक आवाज चाहिए, केवल भारतीय रुख नहीं था; यह आज की वैश्विक वास्तविकता का प्रतिनिधित्व करता था। यह बात दुनिया देख रही है कि भारत केवल मुद्दों पर बात नहीं करता, भारत समाधान लेकर आता है।

हम आपको बता दें कि अमेरिका की अनुपस्थिति ने ज्यों ही एक रिक्तता पैदा की, मोदी की लगातार द्विपक्षीय बैठकें इस बात का स्पष्ट प्रमाण बन गईं कि दुनिया भारत को स्थिर नेतृत्व के रूप में देखती है। जापान की नई प्रधानमंत्री साने ताकाइची से मुलाकात केवल औपचारिकता नहीं थी; यह भारतझजापान रस्त्रीूं' र३१ं३ॅूं ढं१३ल्ली१२ॅस्र को नई ऊर्जा देने का क्षण था। अक, सेमीकंडक्टर, रक्षा और इंडो-पैसिफिक, इन सभी महत्वपूर्ण आयामों में दोनों देशों का सहयोग एशिया के लिए निर्णायक होगा। इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी के साथ हुई बातचीत में अपनाया जाना यह दर्शाता है कि भारत अब वैश्विक आतंकवाद-रोधी ढांचे का नेता बन चुका है। वहीं काफी तनावपूर्ण पृष्ठभूमि के बावजूद कनाडा के नए प्रधानमंत्री मार्क कार्नी के साथ बातचीत का सकारात्मक और उत्पादक होना भारत की कूटनीतिक परिपक्वता का प्रमाण है। उएढअ वार्ता का फिर शुरू होना दोनों देशों के संबंधों में नया आत्मविश्वास दर्शाता है।

इसके अलावा, दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति रामाफोसा के साथ बैठक में दोनों नेताओं ने यह पुनः स्थापित किया ।

जनसंख्या संतुलन पर उत्तराखंड सरकार का कड़ा रुख, सांस्कृतिक मूल्यों की रक्षा हमारी प्राथमिकता- धामी

उत्तराखंड

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने लाखामंडल स्थित प्राचीन शिव मंदिर में दर्शन किए, जहाँ स्थानीय लोगों और पार्टी कार्यकताओं ने उनका भव्य स्वागत किया। मुख्यमंत्री ने मंदिर में पारंपरिक अनुष्ठान किए और राज्यवासियों की शांति, समृद्धि और खुशहाली की कामना की। राज्य मंत्री एवं कार्यक्रम समन्वयक गीता राम गौड़ ने क्षेत्र के विभिन्न स्थानीय मुद्दों से संबंधित 16 सूत्रीय ज्ञापन मुख्यमंत्री को सौंपा। मुख्यमंत्री ने आश्वासन दिया कि सभी मांगों पर गंभीरता से विचार किया जाएगा और उचित कार्रवाई की जाएगी।

एक विशाल जनसभा को संबोधित करते हुए, मुख्यमंत्री धामी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में राज्य सरकार कई ऐतिहासिक और निर्णायक कदम उठा रही है। उन्होंने जोर देकर कहा कि उत्तराखंड में देश का सबसे सख्त नकल विरोधी कानून" लागू किया गया है। मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि पिछले साढ़े चार सालों में पूरी पारदर्शिता और ईमानदारी के साथ 26,000 से ज्यादा युवाओं का सरकारी नौकरियों में चयन हुआ है। उन्होंने आगे कहा कि ये नौकरियाँ पूरी तरह से योग्यता और प्रतिभा के आधार पर दी गई हैं। उन्होंने आगे कहा कि सरकार ने भूमि जिहाद, थूक जिहाद, लव जिहाद और जबरन धर्म परिवर्तन जैसी गतिविधियों पर कड़े प्रतिबंध लगाए हैं। राज्य सरकार उत्तराखंड की जनसांख्यिकी और सांस्कृतिक मूल्यों की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है।

राम मंदिर के शिखर पर फहराएगा भगवा ध्वज, पीएम मोदी के आगमन से पहले अयोध्या में उत्सव का माहौल

अयोध्या

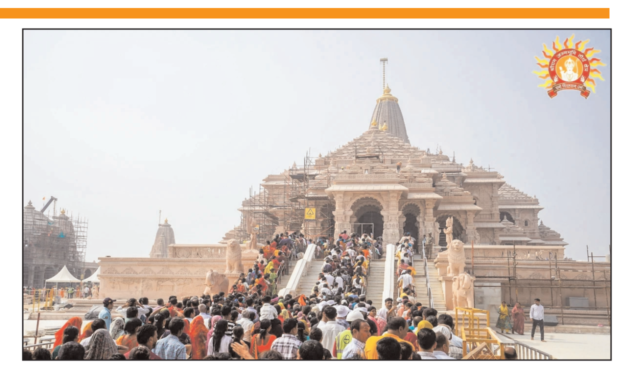

अयोध्या सोमवार को एक बड़े मील के पत्थर के लिए तैयार है क्योंकि राम मंदिर एक भव्य ध्वजारोहण समारोह के लिए तैयार है, जो मंदिर निर्माण के पूरा होने का प्रतीक है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 25 नवंबर को मंदिर नगरी का दौरा करेंगे और गर्भगृह पर भगवा ध्वज फहराएंगे, उनके साथ उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत भी होंगे। समारोह से पहले ही अयोध्या में भारी भीड़ पहुँचने लगी है। एएनआई के अनुसार, देश भर से श्रद्धालु शहर पहुँच चुके हैं, जिसे भव्य रूप से सजाया गया है, जिसमें मंदिर परिसर के चारों ओर 100 किलो फूलों की सजावट भी शामिल है।

योगी आदित्यनाथ ने निर्बाध योजना और व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए मौके पर समीक्षा की और अधिकारियों को कार्यक्रम का सुचारू क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। ध्वज को पारंपरिक उत्तर भारतीय नागर स्थापत्य शैली में निर्मित मंदिर के शिखर पर फहराया जाएगा। इसके चारों ओर दक्षिण भारतीय स्थापत्य कला में निर्मित 800 मीटर का एक घेरा है, जो भारत की समृद्ध स्थापत्य विविधता को दर्शाता है। मुख्य मंदिर की बाहरी दीवारों पर 87 नक्काशीदार पत्थर के पैनल हैं जो वाल्मीकि रामायण पर आधारित भगवान राम के जीवन के प्रसंगों को दर्शाते हैं, जबकि परिधि पर 79 कांस्य पैनल भारत की सांस्कृतिक परंपराओं के दृश्यों को दर्शाते हैं।

इस बीच, एटीएस, एनएसजी स्नाइपर्स, साइबर विशेषज्ञों और तकनीकी टीमों के विशेष कमांडो सहित कुल 6,970 सुरक्षाकर्मियों को मंदिर परिसर में तैनात किया गया है। पूरे मंदिर परिसर और आसपास के क्षेत्रों में ड्रोन-रोधी तकनीक, स्नाइपर निगरानी और उन्नत निगरानी प्रणालियाँ कार्यरत हैं। अधिकारियों ने बताया कि पुलिस अधीक्षकों से लेकर क्षेत्र-स्तरीय टीमों तक के वरिष्ठ अधिकारी निर्बाध समन्वय सुनिश्चित करने के लिए अभियानों की निगरानी कर रहे हैं।

भीड़ प्रबंधन, सुरक्षा जाँच, विस्फोटकों का पता लगाने और आपातकालीन प्रतिक्रिया के लिए तैनात कर्मियों को प्रमुख स्थानों पर तैनात किया गया है। बम निरोधक दस्ते, डॉग स्क्वॉड, वीवीआईपी सुरक्षा दल, अग्निशमन इकाइयाँ, यातायात विभाग और त्वरित प्रतिक्रिया समूह सहित विशेष इकाइयाँ लगातार सक्रिय हैं। सुरक्षा योजना में आधुनिक सुरक्षा उपकरणों को शामिल किया गया है, जिनमें माइन डिटेक्शन यूनिट, बीडीएस स्क्वॉड, एक्स-रे स्कैनर, हैंडहेल्ड मेटल डिटेक्टर, वाहन स्कैनर, सीसीटीवी निगरानी प्रणाली, उच्च-प्रतिक्रिया वैन और एम्बुलेंस शामिल हैं।

'लोकतंत्र में संख्याबल अहम': बिहार में PK की हार पर फडणवीस ने कसा तंज, बताई जीत की गणित

महाराष्ट्र

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने सोमवार को जन सुराज के संस्थापक प्रशांत किशोर को राजनीतिक सलाह दी, क्योंकि उनकी पार्टी हाल ही में हुए बिहार विधानसभा चुनावों में एक भी सीट नहीं जीत पाई। मुंबई में एक सार्वजनिक कार्यक्रम में बोलते हुए, फडणवीस ने एक व्यावहारिक राजनीतिक सीख दी। मुख्यमंत्री ने कहा कि लोकतंत्र चलाने के दो तरीके हैं... विचारधारा के जरिए या संख्याबल के जरिए। लेकिन बिना संख्याबल के आप किसी विचारधारा का प्रचार नहीं कर सकते। उन्होंने आगे कहा कि राजनीति एक व्यावहारिक दृष्टिकोण की माँग करती है, प्रतिनिधित्व के बिना, सबसे मजबूत मूल्य प्रणालियाँ भी जगह पाने के लिए संघर्ष करती हैं।

बिहार में किशोर के प्रदर्शन का सीधा ज़िक्र करते हुए, फडणवीस ने विधायी उपस्थिति के अभाव में एक वैचारिक आंदोलन की सीमाओं को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि उन्होंने बिहार में एक वैचारिक विकल्प पेश किया, लेकिन एक भी सीट नहीं जीत पाए।

मेहुल चोकसी के कुर्क फ्लैटों की नीलामी होगी, 310 करोड़ की संपत्ति लिक्विडेटर को मिली

नई दिल्ली

भगोड़े मेहुल चोकसी से जुड़े करोड़ों रुपये के पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) धोखाधड़ी मामले में संपत्तियों की वापसी की दिशा में एक बड़ा कदम उठाते हुए, प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने मुंबई में चार कुर्क फ्लैटों को परिसमापक को सौंप दिया है। ईडी के मुंबई क्षेत्रीय कार्यालय ने 21 नवंबर को मुंबई के बोरीवली (पूर्व) स्थित तत्व ऊर्जा परियोजना के इन फ्लैटों को परिसमापक को सौंपकर यह कदम उठाया। ईडी ने एक बयान में कहा कि

मेहुल चोकसी और अन्य से जुड़े धन शोधन मामले में कुर्क की गई इन संपत्तियों का अब पीड़ितों, सुरक्षित लेनदारों और अन्य पात्र दावेदारों के लाभ के लिए मुद्रीकरण किया जाएगा।

इसके साथ ही, मुंबई, कोलकाता और सूरत में स्थित कुल 310 करोड़ रुपये मूल्य की अचल और चल संपत्तियां अब तक गीतांजलि जेम्स लिमिटेड के परिसमापक को हस्तांतरित कर दी गई हैं। धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत ईडी की जांच से पता चला है कि 2014 से 2017 के बीच मेहुल चोकसी ने अपने सहयोगियों और पंजाब नेशनल बैंक के अधिकारियों के साथ मिलकर धोखाधड़ी से लेटर ऑफ अंडरटेकिंग और विदेशी साख पत्र हासिल किए।

Pending Cases घटाना और संवैधानिक संतुलन को बनाये रखना

नई दिल्ली

भारत के सर्वोच्च न्यायालय में आज एक महत्वपूर्ण अध्याय जुड़ गया, जब जस्टिस सूर्यकांत ने देश के 53वें मुख्य न्यायाधीश (उखक) के रूप में शपथ ग्रहण की। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने उन्हें पद की शपथ दिलाई। इस अवसर पर प्रधानमंत्री, केंद्रीय मंत्री और कई वरिष्ठ संवैधानिक पदाधिकारी मौजूद रहे। परंपरागत वरिष्ठता के अनुरूप उन्हें यह दायित्व सौंपा गया है। उनका कार्यकाल लगभग 14झ15 महीनों का होगा, जिसके दौरान उनसे न्यायिक सुधारों और लंबित मामलों को कम करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाने की उम्मीद की जा रही है।

देखा जाये तो भारत में मुख्य न्यायाधीश का पद केवल प्रशासनिक अधिकारों तक सीमित नहीं, बल्कि यह भारतीय लोकतंत्र के संवैधानिक हृदय का प्रतिनिधित्व भी करता है। आज जब जस्टिस सूर्यकांत इस पद पर आसीन हुए हैं, तो उम्मीदें कई हैं और चुनौतियाँ उससे भी अधिक। उनकी पहचान एक गहन संवैधानिक सोच वाले न्यायाधीश के रूप में रही है। कठिन मुद्दों, जटिल संवैधानिक विवादों और लोकतांत्रिक मूल्यों की कसौटी पर खरे उतरने वाले निर्णय उनके अनुभव का हिस्सा हैं।

शिवकुमार गुट के समर्थक पहुंचे दिल्ली, सिद्धारमैया ने बेंगलुरु में बंद कमरे में बनाई रणनीति

कर्नाटक कांग्रेस में नेतृत्व को लेकर घमासान तेज

कर्नाटक

कर्नाटक में कांग्रेस पार्टी के अंदर नेतृत्व को लेकर जारी घमासान अब स्पष्ट तौर पर दिखने लगा है. इस खींचतान को लेकर देश की राजधानी दिल्ली और बेंगलुरु दोनों जगहों पर मंगलवार सियासी उथल-पुथल मची है. राज्य के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार का समर्थन करने वाले पार्टी के छह से आठ विधायक रविवार (23 नवंबर, 2025) को देर रात पार्टी हाई कमान पर दबाव बनाने की कोशिश में दिल्ली पहुंचे. शिवकुमार गुट के विधायक पिछले

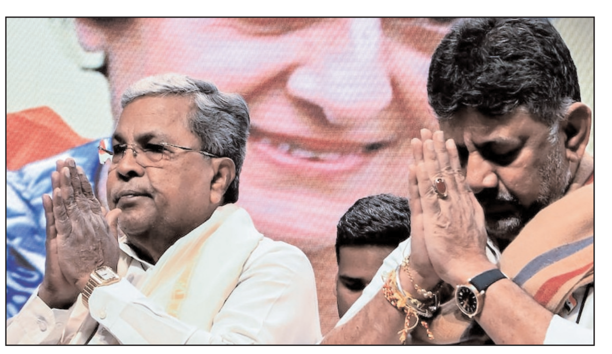

एक हफ्ते में तीसरी बार दिल्ली की ओर कूंच कर चुके हैं. यह गुट पार्टी हाईकमान से मिलने की लगातार कोशिश कर रहे है. इसके साथ, उनकी यह मांग भी है कि पार्टी उनकी सभी शिकायतों और नेतृत्व से जुड़े सवालों पर स्पष्ट तौर पर जवाब दे. हालांकि, दिल्ली में कांग्रेस हाईकमान से समक्ष विधायकों के लामबंद होने की कोशिश ने यह साफ कर दिया है कि राज्य में संगठन के भीतर नेतृत्व को लेकर जारी संघर्ष अब और ज्यादा प्रबल हो गया है.

वहीं, दूसरी ओर कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने डीके शिवकुमार के दांव को पलटने के लिए अपनी रणनीति को भी मजबूत करने में लगे हैं. सिद्धारमैया ने पार्टी के अंदर नेतृत्व को लेकर मचे घमासान के बीच सोमवार (24 नवंबर, 2025) को अपने कावेरी आवास पर बंद कमरे में बैठक बुलाई. सीएम सिद्धारमैया के नेतृत्व में आधे घंटे तक चली इस गुप्त बैठक में राज्य के मंत्री डॉ. जी परमेश्वर, एचसी महादेवप्पा, जमीर अहमद खान और उनके कानूनी सलाहकार ए. एस. पोन्ना शामिल थे. जबकि कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे जिन्हें दिल्ली लौटना था, उन्होंने राज्य में मचे इस सियासी बवाल के बीच बेंगलुरु में रुकने का प्लान बनाया है. राज्य के कई मंत्री और पार्टी के वरिष्ठ नेता कांग्रेस पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे से निजी तौर पर भेंट कर रहे हैं।

देश का दुश्मन हमारा दुश्मन... दहशतगर्दों से सीधे भिड़ गए ओवैसी, दे डाली चेतावनी

हैदराबाद

एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने हैदराबाद में एक भाषण के दौरान दिल्ली के लाल किले के पास हुई आतंकी घटना की खुलकर निंदा की, जिसमें कम से कम 10 लोग मारे गए थे। उन्होंने कहा कि देश के दुश्मन हमारे दुश्मन हैं। उन्होंने मुसलमानों को गाली देने और उनसे वफादारी का प्रमाणपत्र मांगने वालों को भी संदेश देते हुए कहा कि हमने कभी अपने देश से नफरत नहीं की। उल्लेखनीय है कि लाल किला मेट्रो

स्टेशन के पास हुए कार विस्फोट में शामिल मुख्य चार आरोपी, जिसमें 15 लोग मारे गए थे, अल फलाह विश्वविद्यालय के डॉक्टर थे, जिनमें डॉ. उमर नबी भी शामिल थे, जो विस्फोटक से लदी हुंडई आई20 कार चला रहा था।

एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने कहा कि हम ऐसे किसी भी व्यक्ति की निंदा करते हैं जो किसी शैक्षणिक संस्थान में बैठकर बम बनाने की साजिश रचता है... (दिल्ली विस्फोट में) हिंदुओं और मुसलमानों समेत 14 लोग मारे गए। हमें ऐसे सभी लोगों की खुलकर निंदा करनी चाहिए। देश के दुश्मन हमारे दुश्मन हैं। अगर ऐसा किया जाता है, तो हम इन क्रूर लोगों को जो चाहें करने की खुली छूट दे रहे होंगे। लेकिन जो लोग सोचते हैं कि मुसलमानों को दोयम दर्जे का नागरिक बना दिया जाएगा।

यातायात माह 2025 व साइबर क्राइम - मिशन शक्ति के तहत संयुक्त जागरूकता कार्यक्रम हुआ आयोजित

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। यातायात माह 2025 साइबर क्राइम एवं मिशन शक्ति के अंतर्गत कमिश्नरेट प्रयागराज एवं उत्तर प्रदेश अपराध निरोधक समिति, लखनऊ शाखा प्रयागराज के संयुक्त तत्वावधान में सोमवार को जगत तारण गोल्डन जुबली स्कूल एवं कर्नलगंज इंटर कॉलेज में व्यापक जन-जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों को यातायात नियमों, साइबर सुरक्षा तथा मिशन शक्ति से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियाँ विस्तारपूर्वक प्रदान की गईं। थाना जॉर्ज टाउन से मिशन शक्ति महिला उप निरीक्षक मोजबीन बानो द्वारा मिशन शक्ति के अंतर्गत बालिकाओं को आत्मरक्षा, महिला सुरक्षा एवं सरकार द्वारा चलाई जा रही विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी गई। एवं एस आई दिव्या द्वारा हेल्प लाइन नंबरों के माध्यम से आपात स्थिति में महिलाएं कैसे सहायता प्राप्त करें आदि पर बड़े ही विस्तार से उन्हे बताया गया। साइबर पर भी उप निरीक्षक दिव्या गुप्ता एवं आरक्षी कोमल वर्मा द्वारा विद्यार्थियों को साइबर सुरक्षा के प्रति जागरूक करते हुए बताया गया कि किस प्रकार साइबर अपराधी नित नए तरीकों से लोगों को भ्रमित कर ठगी करते हैं तथा उनसे बचाव के लिए सतर्कता एवं सावधानी बरतना अत्यंत आवश्यक है। यातायात उप निरीक्षक इंद्रपाल वर्मा द्वारा सड़क सुरक्षा एवं यातायात नियमों की विस्तृत जानकारी दी गई। उन्होंने हेलमेट एवं सीट बेल्ट के प्रयोग, यातायात संकेतों के पालन, तथा विभाग द्वारा प्रदर्शित शैक्षिक चित्रों के माध्यम से सुरक्षित आवागमन के उपायों पर प्रकाश डालते हुए नियमों के पालन करने की बात कही। कार्यक्रम में सचिव संतोष कुमार ने अपने प्रेरणास्पद उद्बोधन में विद्यार्थियों से अपील की कि वे इस जागरूकता अभियान की कड़ी बनकर समाज में सकारात्मक संदेश प्रसारित करें तथा किसी भी प्रकार के लालच में आकर गलत कदम न उठाएँ, जिससे उनके परिवार व समाज को कष्ट का सामना करना पड़े। जगत तारन गोल्डन जुबली स्कूल में कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रधानाचार्य अरिंदम घोष एवं सुष्मिता कांगो ने की। उन्होंने मंच से आगंतुक अधिकारियों का स्वागत करते हुए इस प्रकार के जागरूकता कार्यक्रमों के निरंतर आयोजन का अनुरोध किया। उत्कृष्ट कार्य करने वाले शिक्षक-शिक्षिका में मनोज दुबे, स्मिता, पिंकी मुखर्जी, आकांक्षा सिंह, कपिल द्विवेदी, पीयूष कुमार सिंह, इंदु बाला गोयल, रोशनी दत्त, ज्योति श्रीवास्तव, व विद्यालय प्रधानाचार्य को उत्कृष्ट कार्य और सहयोग हेतु प्रशंसा पत्र देकर के सम्मानित किया गया। इसी क्रम में कर्नलगंज इंटर कॉलेज के बच्चों अध्यापकों को भी उपरोक्त जानकारी अधिकारियों के द्वारा उपलब्ध कराई गई एवं प्रधानाचार्य अजय कुमार की अध्यक्षता में कार्यक्रम को आयोजित किया गया। आज के कार्यक्रम में मुख्य रूप से अजीत कुमार सिन्हा से.नि. जिला विद्यालय निरीक्षक शिक्षा प्रकोष्ठ प्रभारी समिति जोन, शोएब आलम जनसंपर्क अधिकारी, सचिव पर्यावरण प्रकोष्ठ हसन ए नकवी, प्रियंका पाराशर महिला प्रकोष्ठ, प्रभारी नगर संदीप सोनी, अर्जुन सिंह के संयोजन से संपन्न हुआ। अंत में कार्यक्रम का समापन राष्ट्रीय गान के पश्चात किया एवं कार्यक्रम में कर्नलगंज इंटर कॉलेज के 20 अध्यापकों को उत्कृष्ट कार्य हेतु समिति द्वारा प्रशंसा पत्र देकर सम्मानित भी किया गया।

अप्पे व बाइक की टक्कर में दो छात्र घायल, एक गंभीर

सहसों। थाना सराय इनायत के पुलिस चौकी सहसों अंतर्गत सहसों बाईपास पर सोमवार दोपहर बाद अप्पे एवं बाइक की टक्कर में बाइक सवार दो छात्र घायल हो गए। प्राप्त जानकारी के अनुसार इंटर के छात्र हुसैन व शाहबाज निवासी महुआकोठी थाना उतरांव एक ही बाइक से दोनों सोमवार को प्रयागराज से बोर्ड परीक्षा की सीरीज खरीद कर वापस घर लौट रहे थे। जैसे ही वह सहसों बाईपास पर पहुंचे कि अचानक एक अप्पे ने सड़क पार करना शुरू कर दिया जिससे बाइक सवार दोनों छात्र बाइक लेकर अप्पे से जा भिड़े। टक्कर में दोनों छात्र सड़क पर गिरकर घायल हो गए जिसमें हुसैन की हालत गंभीर बनी हुई है। वहीं शाहबाज के पैर में फैक्चर हो गया है। मौके पर पहुंचे स्थानीय लोगों ने तुरंत 108 एंबुलेंस को बुलाकर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बनी भेजवाया जहां चिकित्सकों ने हालत गंभीर देख दोनों छात्रों को प्रयागराज के लिए रेफर कर दिया। दुर्घटना के बाद मौका देखकर चालक अप्पे छोड़कर फरार हो गया।

तीन बीएलओ पुनः कार्यवाही की रडार पर

एसडीएम कोरांव ने एबीसए को कार्यवाही का दिया निर्देश

कोरांव। उप जिलाधिकारी कोरांव संदीप तिवारी ने खंड शिक्षा अधिकारी कोरांव को पुनः तीन बी एल ओ के खिलाफ विभागीय कार्यवाही के निर्देश दिए हैं। श्री तिवारी ने विधान सभा कोरांव सु,सीट कबूत संख्या 154 तथा 153 के बीएलओ क्रमशः श्याम बहादुर पाल शिक्षा मित्र एवं श्रीमती प्रेम कुमारी को निर्वाचन कार्य में रुचि न लेने आदि शिकायत पर विभागीय कार्यवाही के निर्देश खंड शिक्षा अधिकारी कोरांव को दिए हैं।

जिला स्तरीय खेल कूद प्रतियोगिता संपन्न

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय भारत सरकार के निर्देशन में मेरा युवा भारत प्रयागराज द्वारा उपनिदेशक जागृति पांडेय के निर्देशन में अंदावा स्थित बाबू जोखई पाल मिनी स्टेडियम में जिला स्तरीय खेल कूद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया । इस प्रतियोगिता को बाबू जोखई पाल युवा समिति के अध्यक्ष ऋषि पाल तथा उनकी समिति सदस्य टीम की देख- रेख में बहरिया, उरुवा, बहादुरपुर, श्रृंगवेरपुर, चाका, कौड़ीहार की खंड स्तरीय खेलों की विजेता टीम ने प्रतिभाग किया।कुल 6 प्रकार के खेलो का आयोजन किया गया जिनमें कबड्डी (बालिका), वॉलीबॉल (बालक), लंबी कूद, 200 मीटर रेस, 800 मीटर और 400 मीटर रेस का फाइनल्स एवं समापन समारोह कराया गया। इस प्रतियोगिता के मुख्य अतिथि प्रयागराज के महापौर गणेश केशरवानी तथा अति विशिष्ट अतिथि के रूप में फूलपुर के विधायक दीपक पटेल विशिष्ट अतिथि हंडिया के पूर्व विधायक प्रशांत सिंह ने अपने कर कमलों से विजेताओं को पुरस्कार, प्रमाणपत्र, मेडल, टी- शर्ट, टैक्सूट वितरित कर खेलों के प्रति क्षेत्र में उत्साह को बढ़ाया।

इस आयोजन में : कबड्डी विजेता - बहादुरपुर की टीम, उपविजेता - मांडा टीम,वॉलीबॉल - बहरिया की टीम कप्तान - दिव्यांशु एवं उपविजेता - त्रिवेणीपुरम की टीम जिसके कप्तान सुधीर हैं।200 मीटर दौड़ में प्रथम शिवनी, द्वितीय - शिल्पा, एवं तृतीय - सुनैना निषाद 400 मीटर दौड़ में प्रथम - इमरान अली मेजा से, द्वितीय प्रमोद पाल उरुवा ब्लॉक, एवं तृतीय - आकाश कुमार बहादुरपुर 800 मीटर रेस में प्रथम - कविता, द्वितीय - सौम्या तृतीय - शिल्पा

लंबी कूद में प्रथम अर्जुन यादव बहादुरपुर से, द्वितीय - प्रियांश यादव सोराओं एवं तृतीय - साहिल पाल मेजा से। निर्णायक मंडल में विमलेश पाल, विशाल यादव, अक्षय पाल, अरुण पाल, सरोज आनंद, अजय पाल रहे।क्षेत्र से इस खेल कूद प्रतियोगिता में स्थानीय समाज सेवियों पी ० एन ० अकेला, गुलाब सिंह यादव, दीपू पाल, आरुष पाल, गोलू पाल, राजू, मनीष, विशाल, अमन, हर्ष, रवि, रोहित, अजय, प्रिंस, आदर्श, तथा अध्यापक गांधी इंटर कॉलेज ने अपना सहयोग प्रदान किया।

मिशन शक्ति के तहत महिलाओं को किया गया जागरूक

गौरा गांव से आई महिलाओं ने बताई अपनी पीड़ा, एसपी ने लिया संज्ञान

कौंधियारा थाना परिसर में मिशन शक्ति के तहत महिलाओं को जागरूक करती उपनिरीक्षक निधि चौहान

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। मिशन शक्ति अभियान के तहत महिलाओं की सुरक्षा, सम्मान और अधिकारों को मजबूत बनाने के लिए कौंधियारा थाना परिसर में सोमवार को विशेष जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का नेतृत्व थाना प्रभारी कुलदीप शर्मा और उपनिरीक्षक निधि सिंह चौहान ने किया। गौरा गांव से आई एक दर्जन से अधिक महिला शिकायतकताओं ने इसमें हिस्सा लिया। पुलिस अधिकारियों ने महिलाओं को घरेलू हिंसा, दहेज उत्पीड़न, साइबर क्राइम, छेड़छाड़ और अन्य संवेदनशील मुद्दों पर विस्तार से जानकारी दी।

कार्यक्रम में महिलाओं ने एक बड़े वित्तीय फजीवाड़े का आरोप भी पुलिस के सामने रखा। उन्होंने बताया कि लगभग आठ लोगों का एक गिरोह गरीब और अनपढ़ ग्रामीणों को बहला-फुसलाकर उनके खाते इंडियन पोस्ट बैंक सहित विभिन्न बैंकों में खुलवाता है। आरोप है कि खाता खुलवाने के बाद गिरोह के सदस्य पासबुक, एटीएम कार्ड और सिम कार्ड ग्रामीणों से ले लेते हैं। इसके बाद प्रति खाते में कथित रूप से 40झ45 लाख रुपये तक विदेशों से हवाला के जरिए मंगाकर तुरंत निकाल लिए जाते हैं। कई मामलों में खातों में करोड़ों रुपये का लेनदेन दिखने के बाद उन्हें सीज कर दिया जाता है, जबकि खाते के असली मालिकों को मात्र 2 से 4 हजार रुपये देकर असली गतिविधियों से पूरी तरह अनजान रखा जाता है।

थाना प्रभारी कुलदीप शर्मा ने महिलाओं को आश्वस्त किया कि पुलिस किसी भी शिकायत पर त्वरित और कड़ी कार्रवाई करेगी। उपनिरीक्षक निधि सिंह चौहान ने कहा कि महिलाओं की सुरक्षा सबसे बड़ी प्राथमिकता है और हर पीड़िता की बात गंभीरता से सुनी जाएगी। इसी बीच एसीपी कौंधियारा ने भी मामले का संज्ञान लेते हुए थाना प्रभारी को निर्देशित किया है कि गौरा गांव की महिलाओं की सभी समस्याओं का जल्द समाधान सुनिश्चित किया जाए।

बारा में टवेरा और ट्रैक्टर में टक्करःदो की हालत गंभीर, ड्राइवर फरार

प्रयागराज। घूरपुर थाना क्षेत्र के भीटा-कंजसा मार्ग पर सोमवार दोपहर करीब एक बजे एक सड़क हादसा हुआ। लालापुर की दिशा से आ रहे तेज रफ्तार ट्रैक्टर ने सामने से आ रही टवेरा वाहन को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि टवेरा सड़क पर लगभग 20 मीटर तक घिसटती हुई पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। टवेरा में बिरवल के रहने वाले लोग सवार थे, जो प्रयागराज शहर से एक पारिवारिक निमंत्रण कार्यक्रम में शामिल होकर अपने घर लौट रहे थे। यह हादसा कंजसा के पास हुआ, जिससे सड़क पर अफरा-तफरी मच गई और पीछे से आ रहे वाहन भी रुक गए। लोगों ने तुरंत दौड़कर घायलों को बाहर निकाला। हादसे में टवेरा में सवार दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। एक युवक के पैर में गहरी चोट आई, जबकि दूसरे को सिर और हाथ में गंभीर चोटें लगीं। स्थानीय ग्रामीणों ने तुरंत घायलों को जसरा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। डॉक्टरों ने बताया कि दोनों की हालत पर लगातार निगरानी रखी जा रही है और आवश्यकता पड़ने पर उन्हें बड़े अस्पताल रेफर किया जा सकता है। गाड़ी में सवार अन्य लोगों को भी मामूली चोटें आईं। टक्कर के बाद ट्रैक्टर चालक मौके से फरार हो गया। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि इस मार्ग पर ट्रैक्टर चालक अक्सर तेज रफ्तार में वाहन चलाते हैं और किसी प्रकार का नियंत्रण नहीं रखते। घटना की सूचना मिलते ही घूरपुर थाना प्रभारी दिनेश सिंह ने हल्का उपनिरीक्षक को मौके पर भेजकर स्थिति का जायजा लेने के निर्देश दिए। पुलिस ने क्षतिग्रस्त ट्रैक्टर और टवेरा दोनों वाहनों को कब्जे में ले लिया है।

विधायक फूलपुर को व्यापार मंडल के महामंत्री ने ज्ञापन दिए

ज्ञापन में नैनी रेलवे स्टेशन पर रीवांचल एक्सप्रेस का दो मिनट का ठहराव अप डाउन में किए जाने के संबंध में ज्ञापन दिया गया।

अखंड भारत संदेश

नैनी। नैनी व्यापार मंडल के महामंत्री एवं भारतीय जनता पार्टी रेहड़ी पटरी व्यवसाय प्रकोष्ठ महानगर संयोजक घनश्याम जायसवाल एवं पार्षद चाका अनुप पासी के नेतृत्व में विधायक फूलपुर दीपक पटेल को एक ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में नैनी रेलवे स्टेशन पर रीवांचल एक्सप्रेस का दो मिनट का ठहराव अप डाउन में किए जाने के संबंध में ज्ञापन दिया गया। ज्ञापन में घनश्याम जायसवाल ने कहा नैनी औद्योगिक क्षेत्र है इस गाड़ी के रुकने से नैनी के व्यापारी सीधे दिल्ली सफर कर पाएंगे, एवं रीवा भी सफर कर सकते हैं। इस संबंध में विधायक ने रेल मंत्री भारत सरकार को पत्र लिखकर के 2 मिनट ठहराव की मांग की। ज्ञापन देने वालों में घनश्याम जायसवाल, अनूप पासी, बंटी पटेल, राजू विश्वकर्मा, टी पी सिंह, सुरेश पटेल तमाम लोग मौजूद थे।

नि:शुल्क स्वास्थ्य जागरूकता एवं औषधि वितरण का कार्यक्रम चलाया गया

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। सोमवार को बसई देवी आईटीआई ग्राम अमरसापुर सहसों में लायंस क्लब प्रयागराज रॉयल और प्रयागराज एलिट के संयुक्त तत्वाधान में निशुल्क स्वास्थ्य जागरूकता एवं औषधि वितरण का कार्यक्रम रखा गया जिसमें अधिक संख्या में ग्रामीण, बुजुर्ग, महिलाएं बच्चे अपना इलाज और जांच करने के लिए कैंप में आए। लगभग लोगों का स्वास्थ्य परीक्षण एवं औषधीय दी गई। इस अवसर पर जिला 321 मंडल अध्यक्ष डॉ अर्पण धर दुबे, उप मंडल अध्यक्ष द्वितीय उमेश चंद्र कक्कड़, डायबिटिक चेयरपर्सन हीरा सेठी, ऋषि सेठी, अध्यक्ष इ रवि भूषण गुप्ता सचिव डॉ संतोष कुमार यादव, कोषाध्यक्ष रवि शंकर मिश्रा, जॉन चेयरपर्सन इं संत कुमार वर्मा अल्पना वर्मा सुधा गुप्ता अलका विश्वकर्मा सब गुप्ता सविता केसरवानी, शारदा गुप्ता, सरिता पटेल, और लायंस क्लब एलिट के पदाधिकारी सदस्य गण सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित थे। मरीज का परीक्षण करने वाले डॉक्टर जिसमें डॉ संजय तिवारी, डॉ रमेश चंद्रा, डॉ सुमित पटेल, डॉ शशी बाला, डॉ अवधेश सिंह, डॉ विनीत मिश्रा ने अभूतपूर्व सहयोग प्रदान किया। कैंप के पश्चात सभी चिकित्सकों को सम्मानित भी किया गया तत्पश्चात मध्यान भोजन के साथ कैंप की समाप्ति हुई।

एसआईआर प्रक्रिया से जुड़े सभी कार्मिक निभाएं अपनी जिम्मेदारी : जिलाधिकारी

किसी भी स्तर पर लापरवाही पाये जाने पर सम्बंधित के विरूद्ध की जायेगी कड़ी कार्रवाई

एसआईआर का कार्य महत्वपूर्ण, मतदाता भी निभाएं अपनी भागीदारी : जिला निर्वाचन अधिकारी

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा की अध्यक्षता में सोमवार को संगम सभागार में समस्त राष्ट्रीय एवं राज्यीय मान्यता प्राप्त राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ चल रहे विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण कार्यक्रम को सकुशल सम्पन्न कराये जाने के दृष्टिगत बैठक आयोजित की गयी। बैठक में जिलाधिकारी ने बताया कि अब तक जनपद की समस्त विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों के अन्तर्गत कुल 4625206 (98.56 प्रतिशत) मतदाताओं को गणना प्रपत्रों का वितरण सम्बन्धित बी०एल०ओ० द्वारा करा दिया गया है तथा बी०एल०ओ० के द्वारा वितरित किये गये गणना प्रपत्रों की 01 प्रति सम्बन्धित मतदाताओं से पुनः प्राप्त कर बी०एल०ओ० ऐप के माध्यम से डिजीटाईज किये जाने का कार्य तेजी के साथ कराया जा रहा है। बैठक में बताया गया कि अब तक कुल 922865 मतदाताओं के गणना प्रपत्रों का डिजीटाईजेशन करा दिया गया है। बैठक में जिलाधिकारी ने समस्त राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों से उनके द्वारा विधानसभावार नियुक्त किए गए बूथ लेवल एजेण्टों को सम्बंधित बूथ के बी0एल0ओ0 के साथ समन्वय स्थापित कर प्रगाढ़ पुनरीक्षण कार्यक्रम को सकुशल सम्पन्न कराये जाने हेतु अनुरोध किया गया। जिलाधिकारी ने सभी राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों से सभी मतदाताओं को गणना प्रपत्रों का वितरण किया जाना एवं उनसे गणना प्रपत्रों का संग्रह किए जाने के कार्य को सकुशल सम्पन्न कराये जाने हेतु प्रत्येक मतदेय स्थल पर बूथ लेवल एजेंट को सहयोग प्रदान करने के लिए कहा है। उन्होंने कहा कि आपके द्वारा नियुक्त बीएलए और सम्बंधित बीएलओ समन्वय बनाकर सभी मतदाताओं को गणना प्रपत्र उपलब्ध एवं संग्रहण कराने का कार्य करें। उन्होंने कहा कि लोगो को फार्म भरने अथवा समझने में कोई समस्या आ रही है, तो फार्म भरने के निर्देशों से सम्बंधित वीडियों क्लिप की मदद भी ली जा सकती है। उन्होंने कहा कि एसआईआर प्रक्रिया से जुड़े सभी लोग अपनी जिम्मेदारी निभाएं। किसी के भी स्तर से लापरवाही पाये जाने पर सम्बंधित के विरूद्ध कड़ी कार्रवाई की जायेगी। उन्होंने राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों से कहा कि यदि सम्बंधित बीएलओं के द्वारा अपने क्षेत्र में भ्रमण कर फार्म नहीं भराया जा रहा है अथवा अन्य कोई समस्या आ रही है, तो इसकी सूचना तत्काल उपलब्ध करायें, जिससे तत्काल समस्या का निदान किया जा सके। जिलाधिकारी ने कहा कि एसआईआर का कार्य महत्वपूर्ण है, इसको निर्धारित समयावधि में प्राथमिकता के आधार पर पूर्ण कराया जाये। इस कार्य के लिए मतदाता भी अपनी जिम्मेदारियों को समझते हुए बीएलओ को शीघ्रता से फार्म भर कर उपलब्ध करा दें, जिससे कि समय से फार्म की फीडिंग करायी जा सके। जिलाधिकारी ने सभी राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों से कहा कि विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण अभियान मतदाता सूची की विसंगतियों को दूर कर त्रुटिरहित बनाने के लिए किया जा रहा है, जिसके लिए आप सभी से सहयोग की अपेक्षा है। जिलाधिकारी ने बताया कि एसआईआर अभियान के तहत लोगो की सुविधा के लिए जनपद मुख्यालय पर (डिस्ट्रिक्ट कान्टेक्ट सेन्टर) निरंतर क्रियाशील है, जिसका नम्बर 0532-2644024 एवं 1950 है, जिस पर मतदाताओं द्वारा प्राप्त शिकायतों/प्रेच्छाओं का निस्तारण त्वरित गति से कराया जा रहा है।उल्लेखनीय है कि भारत निर्वाचन आयोग द्वारा जारी अर्हता तिथि 01.01.2026 के आधार पर जनपद के विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों की निर्वाचक नामावलियों के विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण कार्यक्रम के अन्तर्गत दिनांक 04.11.2025 से गणना प्रपत्रों के वितरण का कार्य चल रहा है। आयोग द्वारा निर्धारित कार्यक्रमानुसार दिनांक 04.12.2025 तक बी0एल0ओ0 द्वारा घर-घर जाकर प्रत्येक निर्वाचक को गणना प्रपत्रों का वितरण कर उनका संग्रह किया जायेगा।

इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी प्रशासन/ उप जिला निर्वाचन अधिकारी पूजा मिश्रा, सभी राष्ट्रीय एवं राज्यीय मान्यता प्राप्त राजनैतिक दलों के प्रतिनिधिगण एवं सम्बंधित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

इंडियन आयल की बरौनी-कानपुर पाइप लाइन की भूमि पर कब्जा प्रयागराज प्रशासन ने 10 मुहल्ले के लोगों को नोटिस जारी की

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश और बिहार की ऊर्जा जरुरतों को पूरा करने के लिए बरौनी से कानपुर तक बिछाई गई इंडियन आयल कार्पोरेशन लिमिटेड (आइओसीएल) भूमिगत पाइप लाइन के आसपास की भूमि पर कब्जा कर लिया गया है।

प्रयागराज शहर के 10 मोहल्लों में पाइप लाइन के आसपास की जमीन पर पक्का निर्माण करा लिया गया है। आइओसीएल के उच्चाधिकारियों ने इस बाबत डीएम मनीष कुमार वर्मा से मिलकर कब्जा हटवाने की मांग की तो डीएम ने एडीएम सिटी सत्यम कुमार मिश्र को जांच के निर्देश दिए।

बरौनी से कानपुर तक आइओसीएल की पाइपलाइन राष्ट्र के लिए वर्ष 1966 से सेवा दे रही है। पेट्रोलियम पाइपलाइन की संरक्षा, सुरक्षा एवं अनुरक्षण कार्य के लिए 60 फीट चौड़ी भूमि वर्ष 1964 में पेट्रोलियम और खनिज पाइप लाइन अधिनियम 1962 के तहत भारत सरकार ने अधिग्रहीत की गई है। इस भूमि पर किसी भी प्रकार का कच्चा या पक्का निर्माण एवं संरचना, भूखनन, पौधारोपण एवं खंभा लगाना अधिनियम के तहत दंडनीय अपराध है।

आइओसीएल के मुख्य अनुरक्षण प्रबंधक अरुण कुमार वर्मा ने डीएम को दिए गए पत्र में अवगत कराया है कि यह पाइप लाइन प्रयागराज में घनी आबादी वाले शहरी क्षेत्र गऊघाट, बलुआघाट, कटघर, दरियाबाद, हर्षवर्धन नगर, मीरापुर, सदियापुर, शास्त्री नगर, रसूलपुर व करेली मोहल्लों से होकर गुजरती है, जहां समय के साथ स्थानीय लोगों द्वारा अधिग्रहीत भूमि पर कब्जा कर लिया गया है।

इसके कारण इन मुहल्लों में अनुरक्षण, मरम्मत एवं निरीक्षण कार्य नहीं हो पा रहा है। इससे पाइप लाइन की सुरक्षा खतरे में पड़ गई है। आइओसीएल व जिला प्रशासन अधिकारियों महत्वपूर्ण बैठक के बाद नगर निगम की टीम द्वारा इन मोहल्लों के कब्जाधारकों को नोटिस जारी करा दिया गया।

नोटिस के साथ उन्हें कब्जा हटाने के लिए समय भी दिया गया मगर निर्धारित अवधि में कब्जा नहीं हट सका। अब आइओसीएल ने विभिन्न विभागों के अधिकारियों की टीम गठित कर कब्जा हटाने की कार्यवाही की मांग की है।

जिलाधिकारी ने मुण्डेरा मण्डी स्थित वेयर हाउस का किया निरीक्षण

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा ने सोमवार को मुण्डेरा स्थित ईवीएम एवं वीवीपैट के वेयर हाउस का मासिक निरीक्षण किया। उन्होंने वहां पर सीसीटीवी कैमरों की क्रियाशीलता, सुरक्षा व्यवस्था के दृष्टिगत कक्षों की स्थिति के बारे में जानकारी ली। उन्होंने वेयर हाउस में सभी आवश्यक व्यवस्थायें चुस्त-दूरूस्त बनाये रखने का निर्देश दिया है। निरीक्षण के दौरान ज्वाइंट मजिस्ट्रेट अनिमेष वर्मा, सहायक निर्वाचन अधिकारी फूलचंद्र सहित निर्वाचन से सम्बंधित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

जनसुनवाई के बाद एसीपी मेजा ने सर्किल के आईजीआरएस प्रभारियों के साथ की बैठक

अखंड भारत संदेश

सहायक पुलिस आयुक्त मेजा एसपी उपाध्याय ने जनसुनवाई में आने वाले शिकायत कर्ताओं की शिकायतों को गंभीरता पूर्वक सुनीं और उसके निस्तारण हेतु जहां संबंधितों को दिशा निर्देश दिए

मेजा। मंगलवार को सहायक पुलिस आयुक्त मेजा ने जनसुनवाई के पश्चात सर्किल के तीनों थाना के आईजीआरएस प्रभारियों के साथ स्वयं के कार्यालय में बैठक कर आवश्यक एवं कड़े निर्देश दिए। इस दौरान सर्व प्रथम सहायक पुलिस आयुक्त मेजा एसपी उपाध्याय ने जनसुनवाई में आने वाले शिकायत कताओं की शिकायतों को गंभीरता पूर्वक सुनीं और उसके निस्तारण हेतु जहां संबंधितों को दिशा निर्देश दिए वहीं आईजीआरएस प्रार्थना पत्रों के त्वरित निस्तारण और कार्रवाई को लेकर सर्किल के तीनों थानों मेजा मांडा और कोरांव के आईजीआरएस प्रभारियों की समीक्षा बैठक भी लिया। बैठक में कई बिंदुओं पर विस्तार से चर्चा हुई और इस संबंध में सभी को नई गाइड लाइन दिया। इस दौरान उन्होंने कड़े आदेश निर्देश देते हुए कहा कि आईजीआरएस मामलों की पेंडेंसी कतई स्वीकार नहीं होगी।

सर्किल के आईजीआरएस प्रभारियों की समीक्षा बैठक लेते एसीपी मेजा एसपी उपाध्याय

इविवि के तीन छात्रों के निलंबन का नहीं थम रहा आक्रोश

प्रयागराज। इविवि दिशा छात्र संगठन के तीन छात्रों के निलंबन के विरोध में प्रदर्शन जारी है। निलंबित छात्रों का निलंबन वापस लेने की मांग की जा रही है और ऐसा न होने पर आंदोलन जारी रखने की चेतावनी दी गई है। प्रदर्शनकारियों और प्राक्टोरियल बोर्ड के बीच तीखी नोंक-झोंक भी हुई। छात्रों का आरोप है कि विवि प्रशासन ने दुर्भावना से प्रेरित होकर निलंबन किया है और कैंपस में प्रवेश प्रतिबंधित कर दिया है।

प्रयागराज की गोशालाओं में मवेशी मिले दुर्गति के शिकार

लापरवाही बरतने पर निलंबित होंगे संबंधित गांवों के दो सचिव

प्रयागराज। लगातार मिल रहीं शिकायतों पर प्रभारी सीडीओ ने प्रतापपुर ब्लाक क्षेत्र की दो गोशालाओं की जांच कराई थी। इसमें दोनों ही जगह व्यवस्थाएं ध्वस्त व मवेशी दुर्गति के शिकार मिले। इस पर दोनों गांवों के सचिवों के निलंबन की संस्तुति की गई है। इसमें एक सचिव की मूल तैनाती बरेली में है।

प्रतापपुर के बसनेहटा व अलावलपुर गांव की गोशालाएं

प्रतापपुर ब्लाक क्षेत्र की बसनेहटा और अलावलपुर ग्राम पंचायतों में गोशालाएं हैं। इन दोनों ही गोशालाओं में मवेशियों की देखरेख में लापरवाही की शिकायत लगातार प्रशासन के पास पहुंच रहीं थी। इस पर प्रभारी सीडीओ जीपी कुशवाह ने मुख्य पशु चिकित्साधिकारी डा. शिवनाथ यादव से इसकी जांच कराई।

सीवीओ को दो बार की जांच में अव्यवस्था मिली

करीब 20 दिन के अंदर दो बार सीवीओ गोशालाओं की जांच करने पहुंचे। दोनों ही बार व्यवस्थाएं चौपट मिलीं। गोशालाओं में भूसा, हरा चारा, पशुआहार, चोकर आदि मिला नहीं। पशुओं को पुआल की कुट्टी खिलाई जा रही थी। पानी की टंकियों में काई की मोटी परत जमी थी। एक जगह पानी की टंकी में हड्डी पड़ी मिली। कई पशु बीमारी से बेहाल थे। गोशालाओं में कोई दस्तावेज भी नहीं थे।

प्रभारी सीडीओ बोले- निलंबन की संस्तुति

प्रभारी सीडीओ ने बताया कि बसनेहटा में तैनात ग्राम विकास अधिकारी सिद्धार्थ त्रिपाठी व अलावलपुर की ग्राम पंचायत अधिकारी पूर्णिमा सिंह के खिलाफ निलंबन की संस्तुति की गई है। पूर्णिमा सिंह पर कार्रवाई के लिए जिलाधिकारी को पत्र लिखा गया है। जबकि, सचिव सिद्धार्थ त्रिपाठी की मूल तैनाती बरेली जनपद में है। वह प्रयागराज में संबद्ध होकर सेवाएं दे रहे हैं। ऐसे में, उनके खिलाफ कार्रवाई के लिए बरेली प्रशासन को पत्र भेजा गया है।

अयोध्या के धर्म ध्वजारोहण समारोह में संगम नगरी के 107 रामभक्त आमंत्रित, काशी प्रांत से रवाना हुए 564 लोग

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। अयोध्या में श्रीराम मंदिर के शिखर पर होने वाले धर्म ध्वजारोहण कार्यक्रम में संगम नगरी के 107 लोगों को आमंत्रित किया गया है। वे सभी अपने अपने समुदाय का नेतृत्व करने वाले हैं। आयोजन के लिए कोल, भील, बंजारे, सपेरे जैसे समुदाय के लोगों को प्रमुखता मिली है। यह कदम समरसता की दृष्टि से खास माना जा रहा है।

प्रयागराज में बद्रीनाथ तिवारी इंटर कालेज मेजा से एक बस और विहिप के काशी प्रांत कार्यालय से एक बस राम भक्तों को लेकर सोमवार दोपहर रवाना हुई। प्रत्येक बस में एक बस प्रमुख भी बनाए गए हैं। वे श्रद्धालुओं की मदद और नेतृत्व करेंगे।

आयोजन के काशी प्रांत प्रमुख अलोक मालवीय ने बताया कि काशी प्रांत से कुल 564 रामभक्त रवाना हुए हैं। इन्हें 18 बस और 15 छोटी गाड़ियों से ले जाया गया है। इसके अतिरिक्त पूर्वी उत्तर प्रदेश के 49 प्रशासनिक जिलों से कुल आठ हजार लोग समारोह का हिस्सा बनेंगे। इनमें 600 वनवासी समाज के संत भी शामिल हैं। संगम नगरी के स्वामी वासुदेवानंद भी इस आयोजन में प्रतिभाग करेंगे। निषाद, योगी समाज, थारू समाज, वनटानिया समाज, बंजारा समाज, मुसहर, नट, गद्दी समाज, किन्नर, वाल्मीकि, खटिक, पासी, कोल, धोबी, लोहार, धरकार, कुम्हार, बारी, नाई, बहेलिया, रविदास और महावत समाज के ऐसे लोग जो अपने समुदाय का नेतृत्व करने वाले हैं, उन्हें राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की ओर से आमंत्रित किया गया। सभी को आवश्यकता के अनुसार संसाधन भी दिए गए हैं। ये ध्वजारोहण समारोह के बाद शाम को बस से अपने अपने जिलों में लौटेंगे। उन्हें संगठन की ओर से घर तक सकुशल पहुंचाने का दायित्व स्वयंसेवकों को दिया गया है।

एसआईआर के जरिए वोट छीनने के हथकण्डे को नाकाम करने में जुटें कार्यकर्ता : प्रमोद तिवारी

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। राज्यसभा में विपक्ष के उपनेता प्रमोद तिवारी ने सोमवार को रामपुरखास विधानसभा क्षेत्र के एक दिवसीय दौरे पर जगह जगह पार्टी कार्यकताओं व क्षेत्रीय लोगों से मुलाकात किया। उन्होने लालगंज में पार्टी कार्यकताओं से संवाद करते हुए कहा कि इस समय विशेष मतदाता पुनरीक्षण अभियान को लेकर कार्यकर्ता सतर्क दृष्टि रखें। उन्होने कहा कि सही मतदाताओं के नाम न कटने पाये इसके लिए कार्यकताओं का दायित्व है कि वह मतदाताओं से संपर्क भी स्थापित करें। कांग्रेस सांसद प्रमोद तिवारी ने कहा कि एसआईआर के जरिए निर्वाचन आयोग तथा मोदी सरकार की सही मतदाताओं के नाम हटाये जाने तथा फर्जी नाम बढ़ोत्तरी के जरिए यूपी में भी वोट चोरी का खतरनाक इरादा है। उन्होने कहा कि मोदी सरकार विफलताओं से मुंह मोड़ रही है। उन्होने कहा कि अर्थव्यवस्था की दयनीय दशा यह है कि आज रोज डॉलर के मुकाबले रूपया टूट कर गिर रहा है। सांसद प्रमोद तिवारी ने कहा कि इन्हीं तमाम असफलताओं को लेकर जबाबदेही से बचने के लिए एसआईआर का मोदी सरकार ढ़िंढोरा पीटने में जुटी हुई है। वहीं उन्होने कार्यकताओं के साथ संवाद कार्यक्रम में रामपुरखास विधानसभा क्षेत्र में क्षेत्रीय विधायक आराधना मिश्रा मोना के प्रयास से स्वीकृत विभिन्न विकास परियोजनाओं के पूरा होने में भी सहयोग मांगा। राज्यसभा सदस्य प्रमोद तिवारी ने क्षेत्र में विभिन्न सड़क हाईवे परियोजनाओं तथा पुरवों व मजरों में विद्युतीरकरण अभियान को समयबद्ध पूरा करने के लिए सम्बन्धित कार्यदायी संस्था को भी समयबद्धता व गुणवत्ता के निर्देश दिये। लालगंज बाजार में व्यापारी नेता अंजनी कौशल की अगुवाई में सांसद प्रमोद तिवारी का स्थानीय व्यापारियों ने स्वागत भी किया। इसके पहले सांसद प्रमोद तिवारी ने परसपुर गांव में बीडीसी आलोक सिंह के पिता स्व0 रामसिंह के हाल ही में आकस्मिक निधन पर संवेदना भी प्रकट की। दोपहर बाद सांसद प्रमोद तिवारी बाबा घुइसरनाथ धाम पहुंचे। यहां उन्होने विधायक मोना के प्रयास से बाबा धाम के सौन्दर्यीकरण से जुड़ी विभिन्न विकास परियोजनाओं की प्रगति को देखा। वहीं सांसद प्रमोद तिवारी सांगीपुर क्षेत्र के भी विभिन्न गांवों में पहुंचकर आयोजित कार्यक्रमों में शामिल हुए। इस मौके पर प्रतिनिधि भगवती प्रसाद तिवारी, प्रमुख इं. अमित प्रताप सिंह पंकज, चेयरपर्सन प्रतिनिधि संतोष द्विवेदी, सांगीपुर प्रमुख अशोक सिंह बबलू, मीडिया प्रभारी ज्ञानप्रकाश शुक्ल, केडी मिश्र, डॉ0 अमिताभ शुक्ल, रोहित सिंह, राजू मिश्र, महेन्द्र सिंह, मिण्टू सिंह, दृगपाल यादव, रामबोध शुक्ल, रामकृपाल पासी, पप्पू तिवारी, मुरलीधर तिवारी, प्रीतेन्द्र ओझा, रामू मिश्र, त्रिभु तिवारी, छोटे लाल सरोज, शेरू खां, दारा सिंह, सिल्लू मिश्र, धीरेन्द्रमणि शुक्ल आदि रहे।

अतुल ने टॉप कर बढाया क्षेत्र का मान

पट्टी। इलाके के चंद्रोदय इंटर कॉलेज के पूर्व छात्र अतुल पटेल ने आरआरबी (जे.ई.) परीक्षा में अपने जोन में प्रथम स्थान प्राप्त कर विद्यालय परिवार के साथ ही गांव और पूरे क्षेत्र का नाम रोशन किया है। उनकी इस उपलब्धि से क्षेत्र में खुशी की लहर है। विद्यालय के प्रबंधक रमेश कुमार सिंह ने बधाई देते हुए बताया कि अतुल शुरू से ही मेधावी छात्र रहे हैं और हर कक्षा में श्रेष्ठ प्रदर्शन करते आए हैं। इंटर कॉलेज से शिक्षा पूरी करने के बाद उन्होंने मोतीलाल नेहरू इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी प्रयागराज से बी टेक किया।जहां अतुल कैंपस सेलेक्शन में लार्सेन एंड टुब्रो में सेवाएं दीं। दो वर्ष का अंतराल लेकर पूरी लगन से रेलवे जे.ई. परीक्षा की तैयारी की और अपने जोन में प्रथम स्थान हासिल किया। अतुल पटेल की इस उपलब्धि ने परिवार, विद्यालय और क्षेत्र का मान बढाया है। सभी ने उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी हैं।

रोजगार मेले का आयोजन 27 नवम्बर को

प्रतापगढ़। जिला सेवायोजन अधिकारी अनुभव त्रिपाठी ने बताया है कि जिला सेवायोजन कार्यालय प्रतापगढ़ द्वारा 27 नवम्बर 2025 को पूर्वान्ह 10 बजे से रोजगार मेले का आयोजन राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान पट्टी मुजाही बाजार पट्टी में किया गया है, जिसमें निजी क्षेत्र की 07 कम्पनियों द्वारा आपरेटर, ट्रेनी, ट्रेनी आपरेटर, पैकर्स एण्ड मुवर्सध्स्टोर एसोसिएट, बेलनेस एडवाइजर, एरिया आफिसर, टेक्नीशियन के रिक्त पदों पर बेरोजगार अभ्यर्थियों का चयन किया जाना है। इच्छुक अभ्यर्थी मेले में अपने साथ पंजीयन प्रपत्र, मूल शैक्षिक प्रमाण पत्र, सी0वी0 एवं पासपोर्ट साइज फोटो के साथ सम्मिलित हो सकते है। रोजगार मेले में प्रतिभाग करने के लिये सर्वप्रथम अभ्यर्थियों को रोजगार संगम पोर्टल पर आनलाइन पंजीयन करें।

मेले में किशोरी का पर्स चोरी, शिकायत

अखंड भारत संदेश

पट्टी। पट्टी नगर में चल रहे ऐतिहासिक मेले में एक किशोरी का पर्स उचक्को ने उडा दिया। किशोरी ने काफी देर तक पर्स की खोजबीन की, जब पर्स का कोई पता नही चला तो इसकी शिकायत मेले में बनाए गए अस्थाई पुलिस चौकी पर की है।

रामपुर बेला गांव निवासी ललिता पट्टी में चल रहे मेले में नौवे दिन मेला देखने आई हुई थी। वह मेले में इधर-उधर घूमकर मेले का लुत्फ उठा रही थी। जब वह महिला श्रृंगार गली में गई गई तो देखा कि उसका पर्स गायब था। तो वह सकते में आ गई और पर्स की इधर-उधर खोजबीन करने लगी, लेकिन उसके पर्स का कुछ पता नही चल सका। किशोरी ने बताया कि उसके पर्स में नौ सौ रुपये के साथ ही आधार कार्ड सहित अन्य कागजात थे। किशोरी पट्टी मेले में बनाई गई अस्थाई चैकी पर पहुंची और इसकी शिकायत की, लेकिन शाम तक किशोरी के पर्स का कुछ पता नहीं चल सका था। पट्टी मेले में आए दिन लोगों के पर्स सहित अन्य सामान गायब हो रहे है। जिससे मेले की सुरक्षा व्यवस्था पर यह एक बहुत बडा सवाल है। इस संबंध में श्री रामलीला समिति के महामंत्री अशोक श्रीवास्तव ने कहा कि मेले में इस समय भीड बहुत ही अधिक है, लेकिन मेला क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था के नाम पर कुछ सुरक्षा कर्मियों की तैनाती की गई है। जिससे मेला की सुरक्षा व्यवस्था राम भरोसे ही है।

अज्ञात वाहन की टक्कर से वृद्ध की मौत, कोहराम

लालगंज। शौच के लिए निकले वृद्ध की अज्ञात वाहन की टक्कर से मौत हो गयी। मौत की जानकारी होने पर परिजनों में कोहराम मच गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को पीएम के लिए जिला मुख्यालय भेजवाया। लालगंज कोतवाली के मोठिन गांव निवासी सत्तर वर्षीय सियम्बर सरोज पुत्र नंदन सरोज बीती रविवार की देर शाम करीब साढ़े सात बजे घर से पैदल शौच के लिए निकला था। इसी दौरान सड़क किनारे से गुजर रहे किसी अज्ञात वाहन ने वृद्ध को जोरदार टक्कर मार दिया। जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। जानकारी होने पर परिजन घायल को इलाज के लिए ट्रामा सेण्टर लालगंज ले आये। यहां परीक्षण के दौरान चिकित्सकों ने वृद्ध को मृत घोषित कर दिया। मृतक के चार पुत्र हैं। मौत की जानकारी होने पर परिजनों में कोहराम मच गया। कोतवाल आलोक कुमार का कहना है कि शव को पीएम के लिए भेजा गया है। तहरीर मिलने पर उचित कार्रवाई की जाएगी।

युवक के शव का हुआ अंतिम संस्कार

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। दिल्ली में युवक की हुई मौत के बाद परिजनों ने मारपीट से लगी चोट के कारण मौत होने का आरोप लगाते हुए अंतिम संस्कार करने से इंकार कर दिया था। पुलिस के समझाने पर लोग माने और सोमवार को युवक के शव का अंतिम संस्कार कर दिया। कोतवाली लालगंज के देल्हूपुर गांव निवासी छब्बीस वर्षीय धर्मेन्द्र पटेल की बीती शुक्रवार को मौत हो गयी थी। परिजन शव लेकर घर आ गये। इसके बाद परिजनों के कहने पर कोतवाली पुलिस ने शव का पीएम कराया। पीएम के बाद रविवार को शव घर लाया गया तो परिजन मारपीट से लगी चोट के कारण युवक की मौत होने का आरोप लगाते हुए अंतिम संस्कार करने से इंकार कर दिया। परिजन आरोपियों पर कार्रवाई की मांग करने लगे। छानबीन में पुलिस ने दिल्ली चिकित्सकों से मिली रिपोर्ट के आधार पर बताया कि युवक की मौत उच्च रक्तचाप के कारण हुई है। अन्ततः पुलिस के समझाने पर परिजन अंतिम संस्कार के लिए राजी हुये। सोमवार को सुबह परिजनो ने गांव मे ही युवक के शव का अंतिम संस्कार कर दिया। कोतवाल आलोक कुमार ने बताया कि उच्च रक्तचाप के कारण युवक की मौत हुई थी। परिजन बीती तेईस अक्टूबर को साधू का पुरवा केदौरा में हुई मारपीट से युवक की मौत को जोड़ रहे थे। जबकि उस घटना में मृतक आरोपी था। समझाने के बाद परिजनों ने शव का अंतिम संस्कार कर दिया है।

नायब तहसीलदार ने एसआईआर कार्य प्रगति का किया औचक निरीक्षण

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। जिलाधिकारी शिव सहाय अवस्थी के निर्देशन एवं उप जिला अधिकारी सदर नैन्सी सिंह के मार्गदर्शन में विधानसभा प्रतापगढ़ 248 के एस.आई. आर. कार्य की प्रगति का नायब तहसीलदार दिनेश चंद तिवारी ने पूरे पितई, एमडीपी कॉलेज, साधन सहकारी समिति रूपापुर, प्राथमिक विद्यालय चकवनतोड़, प्राथमिक विद्यालय पुरे ओझा वूथ का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने पाया कि संविलियन विद्यालय रूपापुर में दो बूथ, प्राथमिक विद्यालय पूरे ओझा बूथ, प्राथमिक विद्यालय चकवनतोड़ वूथ पर ऑनलाइन फीडिंग का कार्य संतोष जनक पाया गया जिस पर वहां लगे बीएलओ एवं सुपरवाइजर धर्मेंद्र ओझा एवं सहयोग कर रहे सभी स्टाफ की सराहना की और कहा कि आगे भी इसी प्रकार की गति से आप लोग कार्य करते रहें जिससे समय से एस आई आर का कार्य पूर्ण हो सके। इसमें किसी भी प्रकार की शिथिलता न बरते इसी उत्साह एवं लगन से आगे भी कार्य करते रहें जहां अपेक्षा के अनुरूप प्रगति धीमी रही वहां उन्होंने निर्देशित किया कि शाम तक अपनी प्रगति और बढ़ाये। साथ मे कानून-गो त्रिभुवन मिश्रा मौजूद रहे।

नशा कर सकता है देश का नाश : प्रिन्स बरनवाल

पट्टी। विश्व हिंदू परिषद व बजरंग दल द्वारा आयोजित नशा मुक्ति अभियान के तहत एक कार्यक्रम में भारत सिंह इंटर कॉलेज में युवाओं को नशे के प्रति जागरूक किया है।

विद्यालय के प्रबंधक शिवम सिंह ने बच्चों को संबोधित करते हुए कहा कि आज का युवा देश का भविष्य है, हम नशे से दूर रहेंगे तो हमारे देश का भविष्य उज्जवल होगा। युवाओं में नशे की लत कई पीढ़ीया बर्बाद कर देती है। बजरंग दल के जिला संयोजक प्रिन्स बरनवाल ने बताया कि संपूर्ण देश में बजरंग दल द्वारा युवाओं को नशे के प्रति जागरूक किया जा रहा है। नशा एक ऐसा जहर है जो धीरे-धीरे एक परिवार को नष्ट कर देता है। इसका प्रभाव बढते हुए संपूर्ण समाज में फैलता है। ऐसे में युवाओं को शपथ लेकर नशे की कुरीतियों से दूर होना रहना होगा।कार्यक्रम में मनीष श्रीवास्तव, सौरभ सिंह, शिवकुमार सोनी, अनुज गौडसहित अन्य मौजूद रहे।

युवती का शव तालाब में मिला, सूचना पर पहुंची पुलिस

बेलखरनाथ धाम। तालाबा में एक 28 वर्षीय युवती का शव उतराया देखग्रामीणों में सनसनी फैल गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने ग्रामीणों की मदद से शव को तालाब से बाहर निकलवाया और लाश को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।कंधई थाना क्षेत्र के उतरास गांव निवासी रामचंद्र सरोज की पुत्री वंदना सरोज (28) मानसिक रूप से विक्षिप्त बताई जा रही है।परिजनों के अनुसार वंदना मानसिक रूप से बीमार चल रही थी और उसकी शादी नहीं हुई है।तीन दिन पूर्व वह घर से अचानक गायब हो गई परिजनों ने संभावित स्थानों पर उसकी खोजबीन की लेकिन पता नहीं चल सका। सोमवार को उसका शव सरसीखाम के एक तालाब में मिला।प्रभारी एसओ कंधई असलम अंसारी ने बताया कि मानसिक रूप युवती विक्षिप्त थी शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है।

प्रतापगढ़ से अयोध्या रवाना हुआ रामभक्तों का जत्था

राम मंदिर के शिखर पर धर्म ध्वजारोहण के बनेंगे साक्षी

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ। मर्यादा पुरुषोत्तम प्रभु श्रीराम की नगरी अयोध्या में प्रभु श्री राम मंदिर के शिखर पर होने वाले धर्म ध्वजारोहण कार्यक्रम में शामिल होने के लिए प्रतापगढ से 36 रामभक्त रवाना हुए। नगर के गायत्री मंदिर स्थित संघ कार्यालय से अयोध्या में 25 नवम्बर 2025 को होने वाले धर्म ध्वजारोहण कार्यक्रम में शामिल होने के लिए 24 नवंबर को रामभक्तो को सम्मानपूर्वक मंत्रोच्चार और रामभक्तो का माल्यार्पण करके अयोध्या के लिए प्रतापगढ विभाग के विभाग प्रचारक ओम प्रकाश, जिला प्रचारक प्रवीण, जिला कार्यवाह हेमन्त ने सम्मानपूर्वक बस से प्रस्थान कराया। रामभक्तो की टोली में समाज के विविध जाति बिरादरी और प्रमुख जन सम्मिलित थे। अयोध्या रवाना हुए रामभक्त टोली की यात्रा का नेतृत्व विश्व हिंदू परिषद के जिला मंत्री मनीष और व्यवस्था का नेतृत्व प्रवीण बारी द्वारा किया गया। यात्रा में प्रमुख रूप से अनूप, अंकुर, प्रदीप,अजय क्रांतिकारी, दुर्गेश,अनंत प्रकाश, प्रदीप शुक्ल, दिनेश, जय बहादुर, राजकुमारी, अंजली, शिव प्रसाद सहित आदि शामिल रहे। विभाग प्रचारक ओम प्रकाश ने बताया कि 25 नवंबर को देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मंदिर के शिखर पर धर्म ध्वजा फहराएंगे। उन्होंने इस आयोजन को केवल एक धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि गहरा आध्यात्मिक, सांस्कृतिक और साहित्यिक महत्व वाला बताते हुए कहा कि धर्म ध्वजा हिंदू समाज की आंतरिक शक्ति, स्वाभिमान और जागृति का प्रतीक है।

लालगंज में जाम की समस्या से हलाकान हो रहे राहगीर

लालगंज। हाईवे पर डग्गामार वाहनों व सड़क किनारे बने अतिक्रमण के चलते लालगंज का चैक इलाका आये दिन जाम की चपेट में नजर आता है। इससे कस्बावासियों समेत राहगीरों को खासी परेशानी उठानी पड़ रही है। प्रतापगढ़ रायबरेली राजमार्ग पर स्थित नगर पंचायत लालगंज का चैक इलाका सोमवार को दोपहर जाम की चपेट में बना दिखा। इससे कस्बावासी व राहगीर तथा वाहनों पर सवार यात्रियों में खासी परेशानी बनी नजर आयी। बतादें हाईवे पर बेतरतीव खड़े डग्गामार वाहनों के साथ ही हाईवे किनारे हुए अतिक्रमण से हाईवे से गुजरना हर पल टेढ़ी खीर बना नजर आता है। अतिक्रमण के चलते यहां आये दिन जाम भी लगता है। समस्या के स्थायी निदान को लेकर स्थानीय लोगों के साथ ही अधिवक्ताओं द्वारा भी कई बार अफसरों से शिकायत की जा चुकी है। लेकिन स्थिति जस की तस बनी हुई है। सीओ आशुतोष मिश्र का कहना है कि अतिक्रमण को हटवाकर समस्या का शीघ्र निराकरण कराया जाएगा।

जमीनी विवाद में भिड़े दो पक्ष, चौदह पर मुकदमा दर्ज

पट्टी। आसपुर देवसरा थाना इलाके के उमापुर गांव में फेंकू राम निषाद व हरिशंकर निषाद के मध्य जमिनी रंजिश में लाठी डंडा चलने व मारपीट की घटना के मामले में पुलिस ने दोनों पक्षों के चैदह लोगों पर मारपीट धमकी समेत विभिन्न धाराओं में प्राथमिकी दर्ज कराई है। दरोगा ने अपनी तहरीर में बताया है कि डायल 112 के माध्यम से सूचना मिली की ग्राम उमापुर में दो पक्षों द्वारा जमीनी विवाद को लेकर मारपीट व झगडा हो रहा था। पुलिस घटनास्थल पर पहुंची तो देखा की प्रथम पक्ष के फेंकू राम निषाद, नीलम देवी, अजय निषाद, गुड्डी देवी, सिकंदर निषाद, सुनीता देवी, राम सिंह तथा दूसरे पक्ष के हरिशंकर निषाद पुत्र राम जियावन एवं राम कृपाल निषाद, रामनरेश, दयाराम, सतकला, अनिल निषाद व अजय निषाद सभी निवासी उमापुर आपस में जमीन कब्जा करने को लेकर एक दूसरे पर लाठी डंडे से हमला करते हुए गाली गलौज व एक दूसरे को धमकी दे रहे थे। इस दौरान दोनों पक्षों की तरफ से घायल लोगों को पुलिस ने इलाज के लिए भेजा। पुलिस द्वारा समझाने के बावजूद दोनों पक्ष एक दूसरे पर हमलावर रहे। दरोगा की तहरीर पर आसपुर देवसरा थाने पर सभी आरोपियों पर प्राथमिकी दर्ज की गई है।

बहन को भगा ले जाने का लगाया आरोप

पट्टी। कोतवाली निवासी महिला ने अपनी बहन को भगा ले जाने का आरोप लगाते हुए शिकायत पट्टी कोतवाली में की है। ढिंढूई गांव निवासी महिला ने पुलिस को तहरीर देकर आरोप लगाया है कि घटना बीते 17 नवंबर की रात लगभग दो के आसपास की है। पीड़िता की 18 वर्षीय बहन को अज्ञात युवक बहला फुसलाकर भाग लिया गया। पिता ने पुलिस को तहरीर देकर पुलिस से बहन के खोजे जाने की गुहार लगाई थी। तहरीर के आधार पर छानबीन के बाद सोमवार को दिन में पुलिस ने अज्ञात पर अपहरण का मुकदमा दर्ज कर युवती के खोजबीन में पुलिस जुटी हुई है।

तारणहार बनकर अपने भक्तों का कष्ट दूर करते हैं भगवान : आचार्य अखिलेश

प्रतापगढ़। नगर के मनीपुर में चल रही श्रीमदभागवत कथा के विश्राम दिवस पर सोमवार को कथाव्यास आचार्य अखिलेश जी महराज के मुखारबिन्दु से सुदामा चरित्र व परीक्षित मोक्ष की कथा सुनकर श्रद्धालु भावविभोर हो उठे दिखे। कथाव्यास आचार्य अखिलेश जी महराज ने कहा कि जब भी भक्त पर विपदा आती है तो परमात्मा तारणहार बनकर अपने भक्तों का कष्ट दूर करते हैं। कथाव्यास ने कहा कि मित्रता कैसे निभायी जाती है इसे भगवान श्रीकृष्ण और सुदामा से सीखा जा सकता है। उन्होने कहा कि द्वारिका पहुंचने पर द्वार पाल के मुख से बाल सखा सुदामा का नाम सुनते ही भगवान श्रीकृष्ण नंगे पांव दौड़ते मित्र के पास पहुंचे और उन्हें गले से लगा लिया। यही नही भगवान श्रीकृष्ण ने मित्र सुदामा को और राज सिंहासन पर बैठाया और बहुत सारा धन प्रदान किया। आचार्य अखिलेश जी महराज ने भागवत महात्म्य पर कहा कि भागवत श्रवण के पश्चात राजा परीक्षित को मृत्यु का भय समाप्त हो गया। मुख्य आयोजक गया प्रसाद तिवारी, जानकी देवी व ओमप्रकाश तिवारी फौजी, शांती देवी ने वैदिक मंत्रोच्चार के बीच व्यासपीठ का पूजन अर्चन किया। जमुना प्रसाद तिवारी ने कार्यक्रम का संयोजन किया। दिनेश तिवारी ने श्रद्धालुओं का स्वागत व राकेश तिवारी ने आभार जताया। इस मौके पर अखिलेश मिश्र, रवीन्द्र मिश्र, धर्मेन्द्र तिवारी, मनोज तिवारी, लाल बिहारी तिवारी, राजेश, अनूप, दीपक, करूणेश आदि मौजूद रहे।

ई-लाटरी के माध्यम से डीएम ने वितरित किया कृषि यंत्रो का प्रमाण-पत्र

● डीएम ने जनपद स्तरीय रबी उत्पादकता गोष्ठी का दीप प्रज्वलित कर किया शुभारम्भ प्रदर्शनी एवं स्टॉलों का किया अवलोकन

अखंड भारत संदेश

कौशांबी। जिलाधिकारी डॉ. अमित पाल की उपस्थिति में उदयन सभागार में जनपद स्तरीय रबी उत्पादकता गोष्ठी का दीप प्रज्ज्वलित कर शुभारम्भ किया जिलाधिकारी ने गोष्ठी में आये हुए किसानों को सम्बोधित करते हुए कहा कि वैज्ञानिक विधि से खेती करें, खेतों में कैमिकल का ज्यादा मात्रा में प्रयोग न करें।

वैज्ञानिकों द्वारा दिए गये सलाह को अपनाकर ही खेती करें एवं आपके क्षेत्र में जो सफल किसान हैं, उससे भी जानकारी प्राप्त कर खेती करें। उन्होंने कहा कि मिट्टी की उर्वरता तथा पर्यावरण को प्रदूषण से मुक्त बनाये रखने के लिए न्यूनतम रासायनिक खाद एवं कीटनाशक का प्रयोग करें। उन्हांने कहा कि किसान अधिक से अधिक मोटे अनाजों का उत्पादन कर अपनी आय को दोगुनी कर सकतें है। उन्हांने किसानों को खेतों की मिट्टी की जांच कराने और आवश्यकता अनुसार ही उर्वरकों का प्रयोग करने की सलाह दी, ताकि फसलों में रासायनिक तत्वों की मात्रा नियंत्रित रहें। उन्होंने किसानों से फार्मर रजिस्ट्री अनिवार्य रूप से करवाने की अपील की। इससे खाद-बीज, फसल बीमा, अनाज बिक्री और पीएम किसान सम्मान निधि सहित अन्य सरकारी योजनाओं का लाभ सुगमता से मिल सकेंगा। उन्होंने कहा कि किसान भाई अपने खेतों में पराली न जलायें, इससे खेतों की उर्वराशक्ति कम होती है और मिट्टी बंजर होने लगती है। इस अवसर पर डॉ. अजय कुमार ने कृषकों को सम्बोधित करते हुए कहा कि किसान भाई अपनी-अपनी खेती का मृदा स्वास्थ्य कार्ड अवश्य बनवा लें, जिससे खेत की उर्वरक शक्ति के बारे में पता चल सकें। उन्हांने कहा कि किसान भाई खेती के लिए समय प्रबन्धन, उर्वरक प्रबन्धन एवं सिंचाई प्रबन्धन तीनों का संतुलन बना लें, जिससे उत्पादकता में वृद्धि हों सकेंगी। उन्होंने कृषकों को बताया कि नीम ऑयल का उपयोग कीटनाशक के रूप में किया जाय।जिलाधिकारी ने कृषि से सम्बन्धित विभिन्न कृषि यंत्रो में ई-लाटरी के माध्यम से चयनित किसानों-छितानी लाल, रमा देवी, ओम प्रकाश, बद्री विशाल, छेदी लाल, मुलायम सिंह, राम शंकर शुक्ल, शैलेन्द्र कुमार, शंकर लाल, राकेश कुमार, दीपचन्द्र साहू, पारसनाथ, शिव प्रसाद मौर्य, बच्ची लाल, मुन्ना सिंह एवं गौकरन त्रिपाठी को कृषि यन्त्र का प्रमाण-पत्र वितरित कर सम्मानित किया।

जिलाधिकारी डॉ. अमित पाल ने जनपद स्तरीय रबी उत्पादकता गोष्ठी के अवसर पर कलेक्ट्रेट परिसर में लगायी गई प्रदर्शनी का फीता काटकर उद्घाटन किया तथा कृषि विभाग, पशुपालन विभाग एवं उद्यान विभाग सहित अन्य सम्बन्धित विभागों द्वारा लगायी गई स्टॉलों का अवलोकन भी किया। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी विनोद राम त्रिपाठी, उप निदेशक कृषि सतेन्द्र कुमार तिवारी, मुख्य पशु चिकित्साधिकारी डॉ. अशोक कुमार, भूमि संरक्षण अधिकारी विपिन कुमार, जिला कृषि अधिकारी सुरूचि विश्वकर्मा एवं जिला उद्यान अधिकारी अवधेश मिश्रा सहित अन्य सम्बन्धित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

परीक्षा में महाविद्यालय से उत्तर पुस्तिका का हिसाब ले विश्वविद्यालय : विद्यार्थी परिषद

मानकहीन महाविद्यालयों का विद्यार्थी परिषद ने किया सर्वेक्षण

कौशांबी। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद कौशांबी जिले की टीम ने सोमवार को सिराथू तहसील के हनुमत पाल महाविद्यालय देवीगंज एवं बाबू सिंह डिग्री कॉलेज सायरा का अवलोकन किया जिसमें तमाम खामियां पाई गई जिला संयोजक शिवांशु शुक्ला ने बताया कि हनुमत पाल महाविद्यालय में बीए, बीएससी ,बीकॉम ,एम काम, डी फार्मा और एल एल बी एक ही संकाय में संचालित हो रहा है नियम के अनुसार एलएलबी का संकाय अलग होना चाहिए डी फार्मा का संकाय अलग होना चाहिए जो की एक ही भवन में संचालित हो रहा है। महाविद्यालय में न तो कोई शिक्षक मिला और ना तो प्राचार्य मिले उन्होंने यह भी कहा कि ऐसे शिक्षा माफिया विद्यार्थियों के भविष्य के साथ खिलवाड़ कर रहे हैं महाविद्यालय की बाउंड्री ऐसी पाई गई जिसको कोई भी छलांग लगाकर पार कर सकता है। महाविद्यालय की कुछ बिल्डिंग तो ऐसी पाई गई जो बिना बाउंड्री की ही खुले में संचालित हो रही है। परिसर के सभी प्रयोगशाला खराब पड़े हैं 5 बीघा जमीन से कम भूमि पर बना महाविद्यालय जिसमें खेल कूद का कोई मैदान नहीं है कक्षाओं के दरवाजे टुटे हुवे पाये गये जिला संगठन मंत्री अश्वनी कुमार सिंह ने बताया सयारा में बाबू सिंह डिग्री कॉलेज में हजारों की संख्या में विद्यार्थियों का एडमिशन है लेकिन वहां पहुंचने पर पता चला हजारों की संख्या में बैठने के लिए स्थान नहीं है महाविद्यालय में ना तो कोई योग्य शिक्षक है ना ही साफ सफाई है मानक के अनुसार ना तो शौचालय मिला और ना तो प्रयोगशाला मिला। दोनों महाविद्यालय में पुस्तकालय में किताबें ही नहीं थी। जिले में ऐसे कई महाविद्यालय सरकारी नियमों के मानक के विरुद्ध चलाए जा रहे हैं जो सिर्फ परीक्षा कराने और डिग्री बेचने का कार्य कर रहे हैं। ऐसे लोग शिक्षकों को वेतन न देना पड़े इसलिए कक्षाओं का संचालन नहीं करते हैं ।ऐसे शिक्षा माफिया शिक्षा व्यवस्था को लगातार खोखला करने का काम कर रहे हैं साथ ही परीक्षा विभाग इस बार सभी महाविद्यालयों से उत्तर पुस्तिका का हिसाब ले जितने परीक्षार्थी हों उतने उत्तर पुस्तिका परीक्षा केन्द्रों पर दी जाये ताकि नकल माफिया कापी न बदल सकें उन्होंने कहा कि विभिन्न शैक्षिक समस्याओं की शिकायत जल्द ही विश्वविद्यालय के कुलपति एवं जिलाधिकारी कौशांबी से की जाएगी और ऐसे मानकहीन महाविद्यालयों की सूची देकर जांच कराई जाएगी। विद्यार्थी परिषद का मानना है कि ठीक करेंगे तीन काम प्रवेश, परीक्षा और परिणाम इस दौरान तहसील संयोजक आनंद सिंह पटेल, तहसील सह संयोजक पवन भट्ट नगर मंत्री विराट भट्ट उपस्थित रहे।

सिराथू ओवर ब्रिज पर ट्रैफिक व्यवस्था ध्वस्त, लम्बे जाम से यात्री बेहाल

● पास की पुलिस चौकी से भी लोगों को नहीं मिल रहा जाम से निजात ● केवल फोटो छपास तक यातायात प्रभारी का यातायात माह नवंबर सीमित रह गया है

अखंड भारत संदेश

कड़ा कौशाम्बी। यातायात माह नवंबर में पूरे जिले की यातायात व्यवस्था को सुचारू बनाने के लिए रोज गोष्टी मीटिंग और चेकिंग यातायात पुलिस द्वारा की जा रही है लेकिन उसके बाद भी आम जनता यातायात की समस्याओं से जूझ रही है जिस क्षेत्र में जो मूल समस्या है उस समस्याओं के समाधान के लिए यातायात प्रभारी कहीं दिखाई नहीं पड़ रहे हैं केवल फोटो छपास तक यातायात प्रभारी का यातायात माह नवंबर सीमित रह गया है यातायात प्रभारी के फोटो छपाने से ना तो दुर्घटना रुकेगी और ना ही जाम की समस्या से लोगों को निजात मिलेगी अफसर को गुमराह करके केवल नाटक करने वाले यातायात प्रभारी से जाम की समस्या से समाधान की उम्मीद लोगों को टूट चुकी है। गौरतलब है कि सिराथू ओवर ब्रिज पर इन दिनों ट्रैफिक व्यवस्था पूरी तरह से ध्वस्त हो चुकी है जिसके चलते राहगीरों और स्थानीय निवासियों को प्रतिदिन घंटों लंबे जाम का सामना करना पड़ रहा है जबकि यातायात माह नवंबर में यातायात व्यवस्था सुचारु करने का दावा यातायात प्रभारी द्वारा किया जा रहा है यह स्थिति तब और भी चिंताजनक हो जाती है जब जाम स्थल से चंद कदमों की दूरी पर सिराथू पुलिस चौकी मौजूद है फिर भी सड़कों पर ट्रैफिक पुलिस या होमगार्ड की तैनाती दिखाई नहीं देती है स्थानीय लोगों का कहना है कि ओवर ब्रिज पर वाहन चालकों की मनमानी और गलत पार्किंग के कारण जाम की समस्या गंभीर बनी हुई है पीक आवर्स के दौरान यह जाम इतना विकराल हो जाता है कि एंबुलेंस तक को निकलने में मुश्किल होती है। पुलिस चौकी के नजदीक होने के बावजूद पुलिसकर्मियों की अनुपस्थिति यह सवाल खड़ा करती है कि क्या प्रशासन ने इस महत्वपूर्ण यातायात बिंदु को पूरी तरह से नजरअंदाज कर दिया है यात्रियों ने उच्च अधिकारियों से मांग की है कि इस समस्या का स्थाई समाधान खोजा जाए और ओवर ब्रिज पर नियमित रूप से ट्रैफिक पुलिसकर्मियों की तैनाती सुनिश्चित की जाए ताकि आम जनता को रोजमर्रा के जाम की इस परेशानी से मुक्ति मिल सके।

चरवा थाना क्षेत्र में एकत्रित हो रहे हैं जुआरी पुलिस बनी अनजान

कौशांबी। चरवा थाना क्षेत्र के चौरा डीह पुलिस चौकी अंतर्गत चौरा डीह गांव में बोड़डा पासी के ट्यूबवेल के पीछे अरहर के खेत में कई दिन से दो दर्जन जुआरी एकत्रित हो रहे हैं लेकिन थाना पुलिस से लेकर चौकी पुलिस तक जुआ के संचालन से अनजान बनी हुई है बताया जाता है कि स्थानीय एक पेशेवर सरगना के संरक्षण में जुआ का यह खेल बिना रोक-टोक चल रहा है जो जुआरी की जीत हार पर कमीशन की रकम वसूल रहा है जुआ से मिलने वाले कमीशन में कौन-कौन हिस्सेदार है यह तो जांच का विषय है बताया जाता है कि जुआ के इस फड़ पर दर्जनों जुआरी सुबह से पहुंच जाते हैं और शाम तक जुआ का खेल बिना रोक-टोक के होता है जहां लाखों का बारा न्यारा एक घंटे में होता है इसके पहले यह जुआरी टिक्का तालाब पर एकत्रित होते थे लाखों रुपया का जुआ वहां भी खुले आम हो रहा था बताया जाता है कि मौके पर चौकी का एक सिपाही बैठते देखा जाता है जुआ खेलने और जुआ खिलवाने वाले सरगना पर कार्यवाही की मांग इलाके की जनता ने पुलिस अधिकारियों से की है।

एसपी ने 107 ग्राम प्रहरियों चौकीदारों को साइकिल व साफा बांटकर बढ़ाया मनोबल

अखंड भारत संदेश

एसपी राजेश कुमार की दूरदृष्टि सोच से बदलेगी ग्रामीण सुरक्षा की तस्वीर

कौशाम्बी। ग्रामीण सुरक्षा तंत्र को मजबूत बनाने की दिशा में पुलिस अधीक्षक राजेश कुमार ने एक अभूतपूर्व पहल करते हुए सोमवार को पुलिस लाइंस में आयोजित भव्य समारोह में जनपद के 107 ग्राम प्रहरियों चौकीदारों को साइकिल व साफा प्रदान कर सम्मानित किया।यह पहल एसपी राजेश कुमार की सोच, नेतृत्व और जमीनी रणनीति का प्रत्यक्ष प्रमाण है, जिसके परिणामस्वरूप अब गांवों में सुरक्षा व्यवस्था और अधिक व्यापक, मजबूत एवं सक्रिय होगी। पुलिस अधीक्षक ने ग्राम प्रहरियों को प्रोत्साहन का बड़ा निर्णय लिया है कार्यक्रम के दौरान एसपी राजेश कुमार ने स्वयं मंच से घोषणा करते हुए ग्राम सुरक्षा में उत्कृष्ट भूमिका निभाने वाले तीन ग्राम प्रहरियों चौकीदारों संतलाल पुत्र पंछीलाल हथिया भीट थाना संदीपनघाट वा कन्हैया लाल पुत्र राजाराम लेहदरी चायल वा शिवबाबू पाल पुत्र पलटू पाल पतिरिया विसारा कोखराज को पांच पांच सौ रुपए का नगद पुरस्कार प्रदान किया और उन्हें शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया एसपी राजेश कुमार ने कहा कि ग्राम प्रहरी चौकीदार गांव में पुलिस की आँख और कान हैं उन्होंने अपने संबोधन में स्पष्ट कहा कि ग्राम प्रहरी गांव की सुरक्षा व्यवस्था की रीढ़ हैं।वह अपराध नियंत्रण,शांति व्यवस्था, सूचना संकलन और अफवाह रोकथाम में हमारी सबसे मजबूत कड़ी हैं।पुलिस-जन सहयोग का सबसे सफल मॉडल गांवों में इन्हीं के माध्यम से तैयार होता है। पुलिस अधीक्षक राजेश कुमार ने कहा कि हर ग्राम प्रहरी नियमित गश्त जारी रखें,किसी भी घटना या संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस को दें, गांव में शांति, सौहार्द और सुरक्षा बनाए रखने में सक्रिय भूमिका निभाएँ। उन्होंने जोर देकर कहा कि एक-एक ग्राम प्रहरी चौकीदार सतर्क है तो पूरा गांव सुरक्षित है, और गांव सुरक्षित है तो जनपद सुरक्षित है। पुलिस अधीक्षक राजेश कुमार की पहल बड़ी महत्वपूर्ण है इस कार्यक्रम के माध्यम से एसपी ने सुरक्षा व्यवस्था को गांव-स्तर पर मजबूत किया ,पुलिस और आमजन के बीच विश्वास की दूरी घटाई कानून व्यवस्था मॉडल को सामुदायिक सहयोग से जोड़ा गया सुरक्षा में टेक्निकल सपोर्ट नहीं बल्कि मानवीय तंत्र को उन्होंने आगे किया है।ग्रामीण सुरक्षा के क्षेत्र में यह मॉडल राज्य स्तर पर भी मिसाल बनने की क्षमता रखता है। इस कार्यक्रम में अपर पुलिस अधीक्षक राजेश कुमार सिंह,क्षेत्राधिकारी कौशाम्बी लाइन्स जनेश्वर प्रसाद पाण्डेय तथा पुलिस अधिकारी/कर्मचारी उपस्थित रहे। समारोहम के अंत में एसपी राजेश कुमार ने सभी ग्राम प्रहरियों चौकीदारों के कंधों पर हाथ रखकर उन्हें प्रेरित किया और कहा कि आप जागरूक रहेंगे, तो पूरा जनपद चैन से सोएगा।

न्यूज झरोखा

नव नियुक्त जिला अध्यक्ष का राष्ट्रीय स्वर्णकार राजनीतिक भागीदारी मंच ने किया जोरदार स्वागत

कौशांबी। राष्ट्रीय स्वर्णकार राजनीतिक भागीदारी मंच कौशांबी के नए जिला अध्यक्ष के रूप में अवधेश कुमार सोनी को संगठन के शीर्ष नेतृत्व ने नियुक्त किया है इस बात की जानकारी जैसे ही स्वर्णकार समाज के लोगों को लगी चायल तहसील क्षेत्र के तिल्हापुर मोड़ चौराहे पर सोमवार के दिन नव नियुक्त जिला अध्यक्ष अवधेश कुमार सोनी का मंच के पदाधिकारी कार्यकताओं व्यापारियों ने जोरदार तरीके से स्वागत अभिनंदन किया है विश्वकर्मा वंशी स्वर्णकार समाज के लोगों ने अवधेश सोनी को माला पहनकर उनके उज्जवल भविष्य की कामना की है अंग वस्त्र देकर उपहार भेट कर नवनियुक्त जिला अध्यक्ष का जोरदार स्वागत हुआ है इस मौके पर नव नियुक्त जिला अध्यक्ष अवधेश कुमार सोनी ने कहा कि स्वर्णकार समाज के लोगों के हितों की रक्षा करना उनका पहला दायित्व होगा और स्वर्णकार समाज के ऊपर आने वाली हर समस्याओं के समाधान में वह बढ़-चढ़कर आगे खड़े दिखाई पड़ेंगे उन्होंने कहा कि संगठन ने उन पर भरोसा जताया है और वह संगठन के भरोसे पर हमेशा खरे उतरेंगे इस मौके पर अनुराग पांडे उमाशंकर सोनी शिव शंकर सोनी आशीष सोनी हरिश्चंद्र सोनी अर्जुन सोनी मोनू गुप्ता दिलीप प्रजापति सोनू विश्वकर्मा आकाश सोनी अजय विश्वकर्मा उमेश विश्वकर्मा सहित मंच के तमाम पदाधिकारी कार्यकर्ता और तमाम व्यापारी उपस्थित रहे।

संदीपन घाट थाना प्रभारी ने जगह-जगह लगवाया सड़क यातायात सुरक्षा बोर्ड

हर्रायपुर कौशाम्बी। पुलिस महानिदेशक उत्तर प्रदेश लखनऊ द्वारा यातायात माह के दौरान सड़क दुर्घटना को रोकने के लिए शशिकांत मिश्र थाना अध्यक्ष संदीपन घाट मैं जगह-जगह पर यातायात से संबंधित बोर्ड लगाकर आम जनमानस को जागरूक करने का प्रयास किया है डीजीपी द्वारा गठित किए गए क्रिटिकल कॉरिडोर क्षेत्र में थाना क्षेत्र संदीपन घाट के दुर्घटना बाहुल्य स्थान सावित्रीबाई फुले राजकीय आश्रम पद्धति विद्यालय रसूलाबाद उर्फ कोयलहा, रावण तिराहा महगाव, इमामगंज तिराहा तथा दुर्घटना बाहुल्य स्थान बलिहवा मोड मूरतगंज में मौके पर स्थानीय लोगों को यातायात सुरक्षा के बारे में जागरूक करते हुए राहवीर योजना के तहत पीड़ित व्यक्ति को उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा दी जाने वाली 25000 की प्रोत्साहन राशि के बारे में जानकारी दिया गया और राष्ट्रीय राजमार्ग के उपरोक्त स्थान पर डिवाइडर कट के पास सड़क सुरक्षा जीवन रक्षा का फ्लेक्सी बोर्ड थानाध्यक्ष संदीपन घाट तथा क्रिटिकल कॉरिडोर टीम द्वारा लगाया गया पुलिस द्वारा लगाया गया यह बोर्ड दुर्घटना रोकने में सहायक साबित होगा।

शत-प्रतिशत कार्य पूर्ण करने पर बीएलओ हुए सम्मानित

कौशांबी जिलाधिकारी डॉ. अमित पाल ने जनपद में विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण-2026 के कार्य में विधानसभा सिराथू-251 के भाग संख्या-44 प्राथमिक विद्यालय रूकुनपुर के बीएलओ राज सिंह द्वारा समय से पहले शत-प्रतिशत कार्य पूर्ण करने पर प्रशस्ति-पत्र, अंगवस्त्र एवं स्मृतिचिन्ह देकर सम्मानित किया। जिलाधिकारी ने कहा कि आपने इतने कम समय में अपना कार्य कैसे पूर्ण किया है, और बीएलओ को भी इसकी जानकारी दीजिए।

दुष्कर्म के वांछित अभियुक्त को पुलिस ने किया गिरफ्तार

कड़ा कौशांबी। सैनी कोतवाली क्षेत्र में 11 अगस्त 2025 को नाबालिग बालिका को बहला-फुसला कर मोहित भगा ले गया थाना सैनी पर सुसंगत धाराओं मे अभियोग पंजीकृत हुआ पीड़िता के बयान व सक्ष्य संकलन के आधार पर 65(1) व 5/6 पॉक्सो एक्ट की बढ़ोतरी हुई उपरोक्त क्रम में 24.11.2025 थाना सैनी पुलिस ने मुकदमा उपरोक्त से सम्बन्धित वांछित अभियुक्त मोहित पुत्र स्व0 जगजीत उर्फ जीता रैदास निवासी ग्राम लोंहदा थाना सैनी को गिरफ्तार किया विधिक कार्यवाही के पश्चात अभियुक्त को न्यायालय भेजा गया हैं।

हृदय गति रुकने से सुधीर केशरवानी उर्फ रिंकू दलाल का निधन

भरवारी कौशांबी। नगर पालिका परिषद भरवारी के नया बाजार निकट बिंद्रा मील मोहल्ला निवासी सुधीर केशरवानी उर्फ रिंकू दलाल उम्र 46वर्ष पुत्र स्व द्वारिका प्रसाद केशरवानी का सोमवार की शाम को हृदय गति रुक जाने से मौत हो गई मौत होते ही परिवार में को कोहराम मच गया है जानकारी मिलने के बाद आसपास के लोग उनके घर पर पहुंच गए हैं लोगों ने कहा कि भगवान मृत आत्मा को अपने श्री चरणों में स्थान दे एवं मृतक परिवार को इस भीषण दुख की घड़ी में दुःख सहन करने की क्षमता प्रदान करे।

जुआ खेल रहे 03 जुआरियों को महेवा घाट पुलिस ने किया गिरफ्तार

महेवा घाट कौशांबी पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में जनपद में अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में 23/24.11.2025 की रात्रि मे थाना महेवाघाट पुलिस टीम ने ग्राम अंधावा मे प्राइमरी स्कूल के पास से हार जीत की बाजी लगाकर जुआ खेल रहे अभियुक्त अभिषेक सिंह पुत्र राजीव सिंह नि० ग्राम अंधावा थाना महेवाघाट वा शंकर सरोज पुत्र गूंगा सरोज निवासी ग्राम अंधावा थाना महेवाघाट वा दीपक कुमार पुत्र रामभवन नि० ग्राम अंधावा थाना महेवाघाट को मय माल फड़ 500 रुपये, जामा तलाशी से 400 रुपये व 52 ताश के पत्ते के साथ गिरफ्तार किया बरामदगी व गिरफ्तारी के आधार पर थाना पर मु0अ0सं0 153/25 धारा 13 जुआ अधिनियम का अभियोग पंजीकृत कर विधिक कार्यवाही की गयी।

पुरानी मतदाता सूची ना मिलने से एसआईआर का फॉर्म नहीं हो रहा जमा

कौशांबी। केंद्र सरकार द्वारा निर्वाचन से संबंधित एसआईआर के फॉर्म भरने में तमाम मतदाताओं को बड़ी दिक्कतों से जूझना पड़ रहा है तमाम मतदाताओं के पास मतदाता पहचान पत्र नहीं है जिससे उनके बूथ संख्या मतदान केंद्र का नंबर नहीं जानकारी मिल पाती है उनका मतदाता सूची का क्रमांक नहीं मिल पाता है जिससे तमाम मतदाताओं के नाम एस आई आर फॉर्म में नहीं दर्ज हो पा रहे हैं ऑनलाइन खोजने के बाद भी वर्ष 2003 की मतदाता सूची नहीं उपलब्ध हो पा रही है इतना ही नहीं निर्वाचन कार्यालय से भी पुरानी मतदाता सूची आम मतदाताओं को नहीं मिल पा रही है पहुंच वाले लोग तो किसी माध्यम से पुरानी मतदाता सूची खोज ले रहे हैं लेकिन जो गांव के कमजोर गरीब अनपढ़ निर्धन लोग हैं उन्हें पुरानी मतदाता सूची खोजने में पसीने छूट रहे हैं और जिन्हें पुरानी मतदाता सूची नहीं मिल रही है उनका एसआईआर का फॉर्म पूर्ण नहीं हो पा रहा है जिससे एसआईआर का फॉर्म नहीं जमा हो पा रहा है बीएलओ के पास भी पुरानी मतदाता सूची मौजूद नहीं है सबसे ज्यादा उन मतदाताओं को एसआईआर फॉर्म भरने में दिक्कत हो रही है जो अपना गांव छोड़कर के दूसरे गांव क्षेत्र के निवासी हो गए हैं नए क्षेत्रों में उनका मतदाता सूची में नाम भी है लेकिन वर्ष 2003 या उसके पहले की मतदाता सूची से ही उन्हें अपना पूरा विवरण नए फॉर्म में भरना होगा तभी वह मतदाता बन पाएंगे लेकिन इस गंभीर समस्या का समाधान अभी तक शासन प्रशासन द्वारा नहीं किया गया है जिससे तमाम मतदाताओं के फॉर्म भरने से अछूते रह जाएंगे और मतदाता सूची अपूर्ण रह जाएगी इस गंभीर बिंदु के समाधान की कोशिश शासन प्रशासन को करने की जरूरत है।

धान खरीद केदो में दो दशक से व्यापारी बिचौलिए हॉबी किसान परेशान

अखंड भारत संदेश

केंद्र प्रभारियों ने धान और गेहूं खरीद में हेरा फेरी करके अकूत संपत्ति अर्जित की है, किसानों के धान तौल का समय निर्धारित बिचौलियों की आधी रात तक होती है तौल

कौशांबी। अफसर के तमाम प्रयास के बाद भी धान खरीद केदो में बिचौलिए और व्यापारियों की दखलअंदाजी खत्म नहीं हो रही है किसानों के धान समय से तौल ना होने पर उनके सामने जब समस्याएं आती है तो इसका लाभ सीधा व्यापारी और बिचौलिया उठाते हैं कम दामों पर किसानों का धान खरीद करके उन्हीं किसानों की खतौनी लेकर के धान खरीद केंद्र में बेच करके बीच का कमीशन खा जाते हैं इस सब ड्रामा करने के पीछे विपणन निरीक्षक और जिला वितरण अधिकारी की संलिप्तता उजागर हो रही है यदि किसानों की तौल समय से हो जाए उन्हें समय पर उनकी उपज का भुगतान मिल जाए उनकी जरूरत पर उन्हें रुपए मिल जाए उनकी जरूरत पूरी हो जाए तो किसान कम दामों पर बिचौलिए और व्यापारियों को अपनी उपज नहीं बेचेगे लेकिन किसानों की उपज सही समय पर तौल नहीं होती है सही समय पर उनको भुगतान नहीं मिलता है जिससे किसान मजबूर हो जाते हैं और किसानों की मजबूरी का फायदा धान खरीद केंद्र प्रभारी से साठगांठ करने के बाद खुलेआम बिचौलिया व्यापारी उठा रहे हैं बिचौलिया और व्यापारियों का धान खरीद केंद्र में दखलंदाजी नई बात नहीं है बीते 20 वर्षों से बिचौलिए व्यापारी हॉबी है वही चिन्हित कुछ दर्जन बिचौलिए पूरी धान खरीद केंद्र की व्यवस्था को चौपट कर मालामाल होते हैं देखते-देखते 20 साल के बीच में बिचौलिए कई करोड़ की कमाई कर चुके हैं और अफसर बिचौलियों को चिन्हित नहीं कर सके जिससे व्यवस्था में विपणन निरीक्षक और जिला विपणन अधिकारी की संलिप्तता से इनकार करना एकदम बेमानी होगी किसानों के लिए तौल का समय निर्धारित है लेकिन दलाल और बिचौलियों की उपज के तौल का समय नहीं निर्धारित है आधी रात तक बिचौलियों के धान की तौल होती है। नवीन मंडी स्थल ओसा में खुले धान खरीद केंद्र में विपणन निरीक्षक की संलिप्तता से खुलेआम बिचौलिए व्यापारी पूरे समय खरीद केंद्र और उसके अगल-बगल दिखाई पड़ते हैं बिचौलियों पर रोक न लगने के बाद जिला वितरण अधिकारी की भी मिलीभगत से मंडी में दलालों का जमावड़ा लगने की बात से इनकार नहीं किया जा सकता किसान मंडी में धान लाते हैं लेकिन किसानों की धान खरीद तौल नही हो पा रही हैं क्योंकि मंडी परिसर में जितने दलाल लगे हुए हैं जो अधिकारियों को चाय नाश्ता करवाते हैं बीते 20 सालों से धान खरीद केंद्र में अपना वर्चस्व बना चुके यह बिचौलिए और व्यापारी खरीद केंद्र प्रभारी की जेब भी गर्म करते हैं पेट्रोल का खर्चा देते हैं केंद्र प्रभारी की हर सुविधाओं को यह पूरा करते हैं जिससे व्यापारियों का धान सबसे पहले तौल कराया जाता है 2 दिन पहले जो धान खरीद केंद्र पर उतारा गया है 24 घंटे पहले जो धान उतारा गया है बिचौलिए और व्यापारियों का वह धान पहले तौल होता है किसान लवकुश त्रिपाठी का कहना है 13 नवम्बर से मंडी परिसर में अपना धान रख के यहीं पड़े रहते हैं ठंडी में शरीर कॉप जाती है किसानों के रुकने के लिए संसाधन नहीं बनाए गए हैं लेकिन 12 दिन बीत जाने के बाद उनका धान तौल नहीं कराया जा रहा केंद्र प्रभारी ने आजकल आजकल करते-करते किसान के धान की तौल 12 दिन बीत जाने के बाद नहीं हुई है लेकिन केंद्र प्रभारी दलाल और बिचौलिया की चर्चा करने पर भड़क जाते हैं व्यापारियों का सबसे पहले धान की तौल होती है 41 किलो 200 ग्राम बोरी में धान भरा जाता है किसानों के साथ वजन में भी केंद्र में लूट हो रही है और अफसर मौन बने हैं इसके बावजूद किसानों के धान में रिकवरी के नाम पर धान अलग से काटा जाता है किसानों का तरह-तरह से केंद्र में शोषण होता है जिससे किसान मजबूर है जबकि यह व्यवस्था दलाल और बिचौलिया पर नहीं होती है केंद्र प्रभारियों की जेब गर्म करने के बाद उनके लिए नियम कायदे अलग हैं केंद्र प्रभारियों ने धान और गेहूं खरीद में हेरा फेरी करके अकूत संपत्ति अर्जित की है यदि भ्रष्टाचार निवारण संगठन से उनकी अकूत संपत्ति की जांच हुई तो केदो में व्याप्त भ्रष्टाचार भी उजागर होगा लेकिन शासन प्रशासन इनकी अकूत संपत्ति की जांच करने को तैयार नहीं दिखाई पड़ रहा है।

सम्पादकीय

श्रम संहिताएं शोषण का नया औजार

केंद्र सरकार ने शुक्रवार को एक अधिसूचना जारी कर चार श्रम संहिताएं लागू कर दी हैं। इनमें से मजदूरी संहिता 2019 में संसद ने पारित की थी। अन्य तीनों संहिताएं सामाजिक सुरक्षा संहिता, औद्योगिक संबंध संहिता और व्यवसायिक सुरक्षा, स्वास्थ्य और कार्यदशाएं संहिता 2020 में संसद में पारित की जा चुकी हैं। लेकिन इसके बाद इन्हें लागू करने पर कोई बात नहीं हुई, तो समझा गया कि इन्हें ठंडे बस्ते में डाल दिया गया है। 2024 में मोदी सरकार का दूसरा कार्यकाल भी खत्म हो गया। फिर चुनाव में जीत कर नरेन्द्र मोदी ने तीसरा कार्यभार संभाला, उसके बाद भी इन श्रम संहिताओं पर कोई बात नहीं हुई। अब यकायक मोदी सरकार ने इन्हें लागू करने की अधिसूचना जारी कर सबको चौंका दिया। सरकार इस फैसले को कर्मचारियों और मजदूरों के हित में बता रही है। प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया एक्स पर लिखा, 'आज, हमारी सरकार ने चार लेबर कोड लागू कर दिए हैं। यह आजादी के बाद मजदूरों लिए सबसे बड़े और प्रगतिशील सुधारों में से एक है। यह हमारे कामगारों को बहुत ताकतवर बनाता है। इससे नियमों का पालन भी काफी आसान हो जाएगा और यह 'ईज ऑफ डूइंग बिजनेस' को बढ़ावा देने वाला है।'

प्रधानमंत्री ने इन्हें आजमाए बिना ये तो कह दिया कि ये मजदूरों के सबसे प्रगतिशील सुधारों में से एक हैं, लेकिन ये नहीं बताया कि पिछले कार्यकाल में इन सुधारों को लागू करने से उन्हें किसने रोका था और अब अचानक इन्हें लागू क्यों किया गया। ध्यान रहे कि जिस समय इन संहिताओं को पारित कराया गया, वह कोरोना महामारी का दौर था।

जिसने नोटबंदी के बाद त्रस्त जनता की कमर बुरी तरह तोड़ दी थी। लाखों लोग बेघर और बेरोजगार हो गए थे। तब नरेन्द्र मोदी ने आत्मनिर्भर भारत का लुभावना नारा दिया था। अभी श्रम संहिताओं को लागू करते वक्त फिर इसी आत्मनिर्भर भारत की बात ही कही जा रही है। मगर मजदूर संगठन अब भी यह नहीं मान रहे हैं कि इनसे मजदूरों का भला होगा। पांच साल पहले भी उन्होंने इसका विरोध किया था, और वे अब भी यही कह रहे हैं कि यह पूंजीपतियों के हितों को देखते हुए बनाए गए हैं।

श्रम संहिता के खिलाफ इंटक, एटक, एचएमएस, सीआईटीयू, एआईयूटीयूसी, टीयूसीसी, एईडब्लूए, एआईसीसीटीयू, एलपीएफ और यूटीयूसी जैसे मजदूर संगठनों ने 26 नवंबर को देशभर में विरोध प्रदर्शन का $फैसला भी किया है। वहीं कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने सोशल मीडिया एक्स पर लिखा, 'मजदूरों से जुड़े 29 मौजूदा कानूनों को 4 कोड में री-पैकेज किया गया है। इसका किसी क्रांतिकारी सुधार के तौर पर प्रचार किया जा रहा है, जबकि इसके नियम अभी तक नोटिफाई भी नहीं हुए हैं। उन्होंने सवाल खड़े किए हैं, 'लेकिन क्या ये कोड भारत के मजदूरों की न्याय के लिए इन 5 जरूरी मांगों को हक ीकत बना पाएंगे?

बिहार चुनावः सवाल तो जीतने वालों पर भी हैं

अरुण कुमार त्रिपाठी

पराजय का सिलसिला और उससे उपजी निराशा इतनी गहरी है कि वे तमाम लोग भी इस विजय को वैधानिक और नैतिक मान रहे हैं जो न सिर्फ दिन-रात लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा की बात करते हैं, बल्कि उसके लिए सड़क से न्यायालय तक सक्रिय भी रहते हैं। ऐसे व्याख्याकारों की लंबी कतार है जो साफ कह रहे हैं कि महिलाओं, अति पिछड़ों और सवर्ण मतों का बड़ा हिस्सा राजग के पक्ष में एकजुट था।

बिहार चुनाव पर देश क्या, पूरी दुनिया की निगाहें टिकी थीं। जिनकी भी लोकतंत्र में आस्था है उन्हें यह आशा थी कि बिहार भारत में लोकतंत्र के हरण के धारावाहिक सिलसिले को पलट देगा और फिर शुरू होगा पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु और केरल से होते हुए उत्तरप्रदेश तक में अन्याय, झूठ और अत्याचार को उखाड़ फेंकने का चक्र, जो आखिर में केंद्रीय सत्ता के परिवर्तन तक जाएगा। लेकिन बिहार में 'महागठबंधन' की भारी पराजय और 'राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन' की प्रचंड विजय के उपरांत पैदा हुई लोकतांत्रिक शक्तियों की निराशा देखकर सूर्यकांत त्रिपाठी निराला की प्रसिद्ध कविता 'राम की शक्ति पूजा' का स्मरण हो गया।

वही कविता जो 1936 में तब लिखी गई थी, जब भारतीय स्वतंत्रता संग्राम आशा और निराशा के संमुदर में गोता खा रहा था। महात्मा गांधी को समझ नहीं आ रहा था कि अंग्रेजों से किस प्रकार लड़ा जाए कि जल्दी आजादी मिल जाए। अंग्रेज निरंतर भारत को विभाजित कर रहे थे और गांधी के समक्ष एक ओर मोहम्मद अली जिन्ना की चुनौती थी तो दूसरी ओर सावरकर और तीसरी ओर भीमराव अंबेडकर की।

निराला की कविता में जो निराशा छलकती है उसमें हम इस युग की निराशा के अंश देख सकते हैं। निश्चित तौर पर इस पराजय के बाद हमने 'इंडिया समूह' के नेताओं को रोते हुए नहीं देखा, लेकिन वे उसी प्रकार रो रहे होंगे जैसे रावण से पराजित होकर रण से लौटे राम के नेत्रों से आंसू गिर रहे थे। निराला की कविता में आज की लोकतांत्रिक और अधिनायकवादी शक्तियों के संघर्ष को हम देख सकते हैं।

पराजय का सिलसिला और उससे उपजी निराशा इतनी गहरी है कि वे तमाम लोग भी इस विजय को वैधानिक और नैतिक मान रहे हैं जो न सिर्फ दिन-रात लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा की बात करते हैं, बल्कि उसके लिए सड़क से न्यायालय तक सक्रिय भी रहते हैं। ऐसे व्याख्याकारों की लंबी कतार है जो साफ कह रहे हैं कि महिलाओं, अति पिछड़ों और सवर्ण मतों का बड़ा हिस्सा राजग के पक्ष में एकजुट था। नीतीश कुमार के सामाजिक न्याय के कंधे पर हिंदुत्व ने सवारी कर रखी थी इसलिए इसे जीतना ही था।

राहुल गांधी विदेश चले गए, 'एसआईआर' पर शुरू में यात्रा की, लेकिन बाद में उसे मुद्दा नहीं बना पाए, उतनी मेहनत नहीं कर पाए जितनी 'एनडीए' के नेताओं ने की, टिकट ठीक से नहीं बांटा, तेजस्वी को मुख्यमंत्री पहले नहीं घोषित किया, जंगल राज का खौफ वगैरह-वगैरह। मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना ने चमत्कार किया और बड़ी संख्या में महिलाओं ने पुरुषों से अलग होकर वोट दिया।

जब ऐसी योजनाएं महाराष्ट्र, मध्यप्रदेश में काम कर सकती हैं तो बिहार में क्यों नहीं। फिर ऐसी योजनाओं का हथकंडा तृणमूल कांग्रेस और झारखंड मुक्ति मोर्चा अपनाता है तो जनता दल (एकी) के अपनाने में क्या दिक्कत है। नीतीश कुमार को जनता ने शानदार विदाई दी और आपरेशन सिंदूर से लेकर दूसरे मोर्चों तक प्रकट भाजपा और संघ के राष्ट्रवाद की काट न तो जाति जनगणना से की जा सकती है और न ही नौकरियां देने के खोखले वादे से।

इन तमाम तर्कों ने पूर्व निर्धारित इस प्रचंड जीत को सही साबित करना और विपक्ष और उसके नेताओं को नकारा बताना शुरू कर दिया है। इस प्रक्रिया में उस हिंसक और निम्नस्तरीय भाषा की अनदेखी की जा रही है जिसका प्रयोग चुनाव के दौरान प्रधानमंत्री, गृहमंत्री और उनके केंद्रीय मंत्रियों ने किया। इस बात की भी अनदेखी की जा रही है कि बीच चुनाव में महिला रोजगार योजना की राशि खाते में दिया जाना 'आदर्श आचार संहिता' का स्पष्ट उल्लंघन है।

इस बात की भी उपेक्षा हो रही है कि इस दौरान अपराधियों ने किस प्रकार चुनाव को न सिर्फ प्रभावित किया, बल्कि चुनाव में विजय भी हासिल की। इस बात पर भी ध्यान नहीं दिया जा रहा है कि महिलाओं के खाते में दस हजार की राशि स्थानांतरित करने के अलावा धनबल और सरकारी बल का अनौपचारिक रूप से कितना प्रचंड प्रयोग हुआ।

इस बीच 'एसआईआर' के मुद्दे के प्रभावहीन होने का भी सारा दोष विपक्ष पर ही मढ़ा जा रहा है। न तो उस प्रक्रिया में काटे गए और जोड़े गए नामों पर चर्चा हो रही है और न ही इस बात पर चर्चा हो रही है कि चुनाव आयोग किस प्रकार निरंतर पारदर्शिता से दूर चुनावों को सत्तारूढ़ दलों के जश्न और विपक्ष के शोक का आयोजन बनाता जा रहा है। असल में बिहार के इन चुनाव परिणामों ने एक बात को प्रमाणित कर दिया है कि भारतीय लोकतंत्र में न सिर्फ संस्थाएं भ्रष्ट और अनैतिक हुई हैं, बल्कि समाज भी अनैतिक और भ्रष्ट हुआ है।

बड़े दुख के साथ कहना पड़ रहा है कि नीतीश कुमार ने स्त्रियों के सबलीकरण के बहाने स्त्रियों को भी मरते हुए लोकतंत्र के प्रति संवेदनहीन बना दिया है। अगर महिलाओं को राष्ट्रीय स्तर पर छीने जा रहे संवैधानिक अधिकारों की पीड़ा नहीं दिखती और खाते में आई हुई रकम से वोट को बेच देने की सौदेबाजी ज्यादा ठीक महसूस होती है तो फिर मान लेना चाहिए कि नीतीश कुमार ने अपनी सत्ता के लिए समाजवाद, सामाजिक न्याय और नारी सशक्तिकरण को पूंजीवाद और हिंदुत्व की चेरी बना दिया है। बिहार से लोकतंत्र की वापसी की आशा वे लोग लगाए हुए थे जिनके मन-मानस में यह स्मृति है कि बिहार अन्याय के विरुद्ध क्रांति की भूमि है। वे जिनके अवचेतन में कहीं बुद्ध बसे हैं, कहीं महावीर तो कहीं वैशाली और लिच्छिवियों का गणतंत्र है। जो यकीन करते हैं कि यही वह धरती है जहां से वीर कुंवर सिंह अंग्रेजों की गुलामी खत्म करने निकले थे। जहां बिरसा मुंडा और सीधू कान्हूं ने उलगुलान किया था। जहां पीतांबर और नीलांबर ने सत्तावन में क्रांति का बिगुल बजाया था।

जहां महात्मा गांधी ने चंपारण सत्याग्रह शुरू किया और जहां जयप्रकाश नारायण पैदा हुए जिसके बारे में दिनकर ने लिखा था कि जिसके चरण चिह्न इतिहास अपने उर पर अंकित कर लेता है। वही जयप्रकाश जिन्होंने लोकतंत्र को नया रूप देने के लिए 1974 में 'संपूर्ण क्रांति' का आह्वान किया। वहीं जहां बाबू राजेंद्र प्रसाद जैसे देशभक्त पैदा हुए।

इस देश की नैतिक लोकतांत्रिक शक्तियां यह भूल रही हैं कि रावण के आमंत्रण पर उसके पक्ष में युद्ध करने के लिए पूंजीवाद और फासीवाद की प्रचंड शक्तियां मैदान में उतर चुकी हैं। वे रावण को अंक में लेकर घूम रही हैं।

अविभाजित बिहार पहले अपने खनिजों के कारण आंतरिक उपनिवेश बना था, अब पश्चिमी तट के कारपोरेट द्वय और राजनेता द्वय के लिए चारागाह बनने की तैयारी में है। बिहार क्या, पूरा देश इन शक्तियों के चंगुल में फंस चुका है। पंजाब और हरियाणा से प्रतिरोध जरूर उभरता है, लेकिन वह चुनावी विजय और राजनीतिक सत्ता के परिवर्तन तक पहुंच नहीं पाता।

डॉ. आंबेकर ने कहा था कि- लोकतंत्र न तो सिर्फ चुनावी प्रणाली है, न ही सिर्फ संस्थाओं से निर्मित होता है। वह निर्मित होता है एक ऐसे समाज से, जहां पर भाईचारा होता है, जहां होती है पारदर्शिता और सामाजिक, आर्थिक समानता। वह एक प्रणाली से अधिक संस्कृति है। आज धनबल, सत्ताबल और हिंसक भाषा के प्रहार से घायल लोकतंत्र अपनी प्राण रक्षा के लिए छटपटा रहा है। उस रक्षा की आशा सिर्फ बिहार से करना कुछ अधिक ही था। इसलिए देश की लोकतांत्रिक शक्तियों को बिहार को क्षमा करते हुए अलोकतांत्रिक शक्तियों की नकल नहीं करनी चाहिए। उन्हें नैतिक शक्तियों की आराधना करते हुए साधन की पवित्रता के साथ इस लंबी लड़ाई को चलाना चाहिए।

बिहार चुनाव : संदेह के बने रहने से लोकतंत्र को नुकसान

जगदीश रतनानी

चुनावी प्रक्रिया की निष्पक्षता के मुद्दे पर बढ़ते विवाद को आसानी से खारिज नहीं किया जा सकता। एक ऐसा चुनाव आयोग, जिसका बचाव इन दिनों केवल भारतीय जनता पार्टी कर रही है और जो अन्यथा बदनाम है, एक गहरी क्षति है जिसे भाजपा या उसके सहयोगियों के विजय उत्सवों से नहीं धोया जा सकता। विजेताओं को यह एहसास नहीं है कि भले ही वे जीत गए हों, लेकिन उनसे भी पुरस्कार छीन लिया गया है।

भारत में एक समय था जब चुनाव परिणाम चाहे जो भी हों, भारतीय चुनाव आयोग (ईसीआई) युद्ध का सर्वमान्य विजेता और भारत की लोकतांत्रिक परंपराओं का मुख्य रक्षक माना जाता था। ईसीआई शुरूआत में शांत था, फिर मुख्य चुनाव आयुक्त टीएन शेषन के कार्यकाल में एक शेर बन गया और तब से इसने एक प्रखर रक्षक और भारत की लोकतांत्रिक सफलता के लिए आवश्यक तत्व- चुनाव प्रक्रिया के स्वतंत्र मध्यस्थ के रूप में अपनी छवि को बनाए रखा है। चुनाव का समय आते ही राजनीतिक दल अपनी सीमाओं की परीक्षा लेते हैं, लेकिन ईसीआई डटकर खड़ा होता था। वह यह सुनिश्चित करता कि उल्लंघनों की पहचान हो और वास्तव में जांच और निगरानी को बढ़ाता था ताकि प्रक्रिया न केवल निष्पक्ष हो बल्कि ऐसी दिखाई भी दे। अब उस स्वर्णिम युग को भारतीय चुनावी प्रक्रिया का हिस्सा न रह जाने के रूप में देखे जाने की संभावना है। इस हार के कुछ निहितार्थ हैं जिन्हें ईसीआई पूरी तरह से समझ नहीं पा रहा है, जिसने खुद को ऐसे विवादों के भंवर में घसीटने दिया है जिनकी उसे आवश्यकता नहीं थी। आज चुनावों की समाप्ति के साथ ही परिणामों को लेकर एक नई लड़ाई शुरू हो गई है, एक ऐसी गिरावट जो संपूर्ण राजनीतिक व्यवस्था और एक युवा राष्ट्र के गौरवशाली इतिहास के लिए गंभीर चिंता का विषय होनी चाहिए, जिसने स्वतंत्रता के बाद से सफलतापूर्वक एक उचित और निष्पक्ष चुनाव प्रक्रिया संचालित की है।

बिहार विधानसभा चुनावों में भाजपा के नेतृत्व वाले एनडीए गठबंधन द्वारा लगभग पूर्ण विजय भी चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली में व्याप्त कमियों के कारण धूमिल हुई है। इसलिए ये परिणाम राष्ट्र को जटिल संकेत भेजते हैं। ये संदेह का कारण बन जाते हैं। अब यह संभव नहीं है कि एक पक्ष हारने वाले द्वारा उचित स्वीकृति के साथ नए कार्यकाल के लिए शपथ ले, जो लोगों के जनादेश और उम्मीदवारों के राजनीतिक भविष्य का फैसला करने की उनकी शक्ति- इन दोनों के आगे झुकना है। ये व्यवस्था की अखंडता, जनता की इच्छा को पढ़ने और लागू करने में उसकी अंतहीनता को छीन लेते हैं और इस प्रकार न केवल हारने वालों के साथ बल्कि विजेताओं और समग्र रूप से राजनीतिक व्यवस्था के साथ भी अन्याय करते हैं। इस मामले में चुनाव आयोग ने खुद को उन आरोपों और संदेहों से दूर न रखकर सभी पक्षों को निराश किया है जो अब उसके विभिन्न कार्यों पर छा रहे हैं।

बिहार में भी, जैसा कि महाराष्ट्र और हरियाणा के पिछले चुनावों में हुआ है, जीतने वाली पार्टी को इन आरोपों का सामना करना पड़ेगा कि उन्होंने एक ऐसे अंपायर को आसानी से हरा दिया जिसकी भूमिका पर अभी भी तीखा विवाद चल रहा है, जिससे पूरी चुनावी प्रक्रिया की निष्पक्षता सवालों के घेरे में आ गई है। विपक्ष का ये आरोप 'अंगूर खट्टे हैं' वाली बात से परे है और वे अब हाल के चुनाव अभियानों और नतीजों का एक बढ़ाता हुआ हिस्सा बन गए हैं, जिससे भारतीय लोकतंत्र अपनी उन्हीं संरचनाओं से खतरे में पड़ गया है जिनका काम इसे सुरक्षित और मजबूत बनाना है।

एक ओर बिहार 2025 के विधानसभा चुनावों के स्पष्ट आंकड़े नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली भाजपा मशीनरी के जबरदस्त प्रभुत्व और गठबंधनों, संदेशों और छवि निर्माण में उसकी महारत को दोहराते हैं। इसकी सामान्य खूबियों के अलावा 'बिहार केन्द्रित' कई कारण भी गिनाए जा रहे हैं, जिनमें मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की कथित लोकप्रियता या लंबी सेवा, ऐन चुनाव के दौरान बिहार की 75 लाख महिलाओं को 10-10 हजार रुपये दिये जाने से भाजपा-एनडीए को बड़ा चुनावी लाभ दिलाया और सब कुछ बदलकर रख दिया। इसने शराबबंदी और राज्य भर में बेहतर कानून-व्यवस्था के दावों जैसे दीर्घकालिक उपायों की बजाय कथित तौर पर महिला मतदाताओं का दिल जीत लिया।

यह मानक पूर्वव्यापी प्रभाव-पश्चात अध्ययन, जो चुनाव में सत्ताधारी दलों द्वारा दिए गए तर्कों पर आधारित है, कुछ जमीनी हकीकतों को दशार्ता है; लेकिन क्या यह उस भारी जीत की व्याख्या कर सकता है, जिसने एनडीए गठबंधन को 243 में से 202 सीटें दिला दीं, जिसमें भाजपा 89 सीटों के साथ सबसे आगे थी और नीतीश कुमार की जनता दल (यूनाइटेड) 85 सीटों के साथ शीर्ष पर थी? प्रतिवादस्वरूप, जो उतना ही मान्य है, यह पूछेगा कि 9 बार मुख्यमंत्री रह चुके एक व्यक्ति, जिन्हें उनके बदलते संबंधों के लिए 'पलटूराम' कहा गया और जिनकी आलोचना की गई है कि वे नियंत्रण में नहीं हैं या भाजपा द्वारा 'अपहृत' कर लिए गए हैं, इतनी बड़ी जीत कैसे दिला सकते हैं? भाजपा की बेहतर रणनीति और व्यवस्था में मौजूद संसाधनों की रीढ़ को देखते हुए भी, यह एक ऐसी सत्ता थी जिसने बिहार को विशेष रूप से फलते-फूलते नहीं देखा।

युवाओं के लिए नौकरियों की कमी या निवेश की कमी उस सिक्के का दूसरा पहलू है जो उपहारों और रियायतों से मतदाताओं की वफादारी खरीदता है, भले ही ये दीर्घकालिक शासन और राजकोषीय प्रबंधन को नुकसान पहुंचाए। 'काम के लिए पलायन' बिहार के लिए अभिशाप बना हुआ है और यह राज्य में आम जनता के लिए अच्छे रोजगार प्रदान करने के अवसरों की कमी को दशार्ता है। भारतीय जनसंख्या अध्ययन संस्थान, मुंबई द्वारा 2019 में किए गए एक अध्ययन के अनुसार, बिहार में मौसमी प्रवास अधिक प्रचलित है। मध्य गंगा के मैदान में देखे जाने वाले 72.8 प्रतिशत मौसमी प्रवासी राज्य से आते हैं। इसके कारण हैं- गरीबी और मजबूरी, बेरोजगारी, भूमिहीनता और भोजन की कमी। इस बात का कोई सबूत नहीं है कि राज्य की ऐतिहासिक प्रतिकूलताओं में हाल के वर्षों में नाटकीय बदलाव आया है।

यह भी ध्यान देने योग्य है कि विपक्षी दलों में कुछ अव्यवस्था जरूर थी, लेकिन राजद-कांग्रेस के नेतृत्व वाले महागठबंधन के मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार, राष्ट्रीय जनता दल के तेजस्वी यादव की रैलियों में ऊर्जा भी देखी गई। विपक्ष के नेता राहुल गांधी की वोट अधिकार जागरूकता रैलियों को भी जमीनी स्तर पर अच्छी प्रतिक्रिया मिली। गांधी ने बाबू जगजीवन राम के राजनीतिक गृह सासाराम से 'मतदान के अधिकार' आंदोलन की शुरूआत की और बिहार के लगभग 20 जिलों को कवर किया। चुनाव के बीच में यह आंदोलन चुनाव आयोग में विश्वास की कमी को दशार्ता है, जिससे हाल के वर्षों में चुनाव-दर-चुनाव आयोग के नैतिक अधिकार को कमजोर किया गया है।

चुनावी प्रक्रिया की निष्पक्षता के मुद्दे पर बढ़ते विवाद को आसानी से खारिज नहीं किया जा सकता। एक ऐसा चुनाव आयोग, जिसका बचाव इन दिनों केवल भारतीय जनता पार्टी कर रही है और जो अन्यथा बदनाम है, एक गहरी क्षति है जिसे भाजपा या उसके सहयोगियों के विजय उत्सवों से नहीं धोया जा सकता। विजेताओं को यह एहसास नहीं है कि भले ही वे जीत गए हों, लेकिन उनसे भी पुरस्कार छीन लिया गया है क्योंकि जब संदेह बना रहता है, तो जीत भी बेकार होती है। इससे लोगों और राजनीतिक दलों में जो आक्रोश पैदा होता है, वह आने वाले दिनों में कुछ बहुत ही जटिल और चुनौतीपूर्ण तरीकों से सामने आएगा।

महिला विकास उद्देश्य या वोट पाना

अरविन्द मोहन

नीतीश कुमार की ज्यादा चर्चित मुख्यमंत्री साइकिल और वर्दी योजना हुई और इसे क्रांति जैसा माना गया। फिर उन्होंने पंचायतों में महिलाओं को पचास फीसदी आरक्षण देने का फैसला किया जिससे बिहार के पंचायतों में औरत प्रमुखों का अनुपात पचास फीसदी से ज्यादा हो गया। और फिर इसी क्रम में उन्होंने अपने दूसरे कार्यकाल में महिलाओं से किया यह वायदा भी पूरा कर दिया कि बिहार में पूर्ण शराबबंदी रहेगी।

चुनाव घोषणा से ठीक पहले बिहार की डेढ़ करोड़ महिलाओं के खाते में दस-दस हजार रुपए भेजने को इस बार के अपूर्व जनादेश का बड़ा कारण माना जा रहा है। ऐसा फैसला करने वाले भी यही मानकर इस योजना को ले ये और बाद में यह सफाई भी दी गई कि यह धन वापस नहीं करना और अगर इससे शुरू हुआ धंधा ठीक लगा तो दो लाख रुपए तक की राशि और उपलब्ध कराई जाएगी। विपक्ष इसे सीधे-सीधे मतदाताओं को घूस देना बता रहा है और संभवतः की दर्जन मामले अदालतों में पहुंच भी चुके है। जब विपक्षी महागठबंधन को इस कदम के असर का अंदाजा होना शुरू हुआ तो तेजस्वी यादव ने अपनी सरकार बनाने पर अगले 14 जनवरी को हर महिला के खाते में तीस-तीस हजार अर्थात महिला सम्मान राशि को बढ़ाकर ढाई हजार करने और साल भर का पैसा एक साथ देने की घोषणा की। उन्होंने हर परिवार में एक सदस्य को सरकारी नौकरी देने जैसा असंभव वायदा भी किया पर कोई फायदा नहीं हुआ। नीतीश सरकार ने ऐसी तत्काल लाभकारी दर्जन भर योजनाओं में राशि बढ़ाकर पहले से ही एक ज्यादा बड़ी जमीन तैयार कर ली थी। बल्कि कई लोग इसे नीतीश कुमार के राजनैतिक स्वभाव से अलग मानते हुए इसके लिए मोदी और शाह अर्थात भाजपा को श्रेय देते हैं। वैसे भी डबल इंजन की सरकार चल ही रही है।

अब भले इस बदलाव का श्रेय अकेले नरेंद्र मोदी और भाजपा को न दिया जाए लेकिन 'डायरेक्ट बेनीफिटड़ योजनाओं का चलन ब्राजील और अर्जेन्टीना के देखादेखी सारी दुनिया में बढ़ा है और अपने यहां यूपीए सरकार के समय ही इसकी शुरूआत हुई। पहले वृद्धावस्था पेंशन और विधवा पेंशन जैसी योजनाएं आई और फिर अचानक सबको बहनों/माताओं से प्यार उमड़ा। मध्य प्रदेश इस मामले में आगे हुआ और उसके मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान तो खुद को मामा कहलाकर खुश होने वाले संभवतः पहले नेता होंगे। धीरे-धीरे हर राज्य के चुनाव में महिलाओं को सीधे नकद देने वाली योजनाओं और वायदों की लाइन लग गई। बल्कि स्थिति यह हो गई कि कई जगह सरकार बन जाने पर भी वायदे पूरे करने में दिक्कत होने लगी क्योंकि वित्तीय संसाधन जवाब देने लगे। महाराष्ट्र का उदाहरण सबसे बड़ा है जबकि कर्नाटक में भी कुछ समय तक ऐसा हुआ था। निस्संदेह ग्रामीण और गरीब महिलाओं के खाते में धन देना काफी लाभदायक रहा है-चुनाव की दृष्टि से भी। यह सवाल बड़ा है कि महिलाओं की यह स्थिति बनी कैसे? इसके लिए जो आर्थिक, सामाजिक और सांस्कृतिक कारण हैं उनके दुरुस्त करने में नेताओं, पार्टियों और सरकारों की रुचि क्यों नहीं है। ईश्वरचंद विद्यासागर, गांधी, लोहिया और जयप्रकाश सरीखे नेताओं में औरतों की स्थिति बदलने में सफलता पाई जबकि उनके पास न सत्ता थी न संसाधन! इस चुनाव में एनडीए को अपूर्व जीत दिलाने वाले नीतीश कुमार के भक्त मानते हैं कि यह दस हजारी योजना या चुनाव पूर्व की रेवड़ियों में उनकी बहुत आस्था हो न हो

सूर्या कार्पेट कंपनी में रिपेयरिंग के दौरान गैस रिसाव से दम घुटने से 3 वर्करों की मौत

अखंड भारत संदेश

गोपीगंज भदोही । सोमवार को थाना औराई क्षेत्र अंतर्गत सूर्या कार्पेट में समय करीब 10.30 बजे वाशिंग वाटर सीवेज टैंक की सफाई व मोटर की रिपेयरिंग के दौरान वाटर सीवेज टैंक में 01 वर्कर नीचे गिर गया, जिसको बचाने के प्रयास में अन्य 03 वर्कर नीचे गए जहां गैस की रिसाव के कारण दम घुटने से 03 वर्कर 01.शिवम दुबे पुत्र विजय कांत दुबे निवासी कोठरा थाना औराई जनपद भदोही 02. राम सूरत यादव उर्फ जय मूरत यादव पुत्र स्व.हरिहरनाथ यादव निवासी

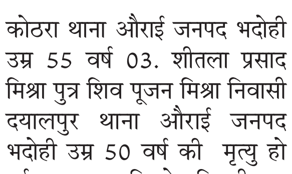

कोठरा थाना औराई जनपद भदोही उम्र 55 वर्ष 03. शीतला प्रसाद मिश्रा पुत्र शिव पूजन मिश्रा निवासी दयालपुर थाना औराई जनपद भदोही उम्र 50 वर्ष की मृत्यु हो गई तथा राज किशोर तिवारी पुत्र चंद्रशेखर तिवारी निवासी कन्धवार थाना रामपुर जनपद सीधी (मध्यप्रदेश) का इलाज चल रहा है। जिसकी स्थिति स्थिर है। शैलेश कुमार, जिलाधिकारी भदोही व अभिमन्यु मांगलिक पुलिस अधीक्षक भदोही द्वारा संयुक्त रूप से सूर्या हॉस्पिटल में इलाजरत कर्मी का हाल चाल लिया गया,तत्पश्चात महोदय द्वारा घटना स्थल सूर्या कार्पेट का निरीक्षण किया गया। स्थानीय पुलिस द्वारा शवों को कब्जे में लेकर पंचायतनामा सहित आवश्यक विधिक कार्यवाही की जा रहीं है। परिजनों से प्राप्त तहरीर के आधार पर थाना औराई पर मुकदमा पंजीकृत किया जा रहा है ।मौके पर शांति एवं कानून व्यवस्था सामान्य है।

बिना मान्यता अवैध रूप से चल रहे विद्यालय को एसडीएम ने छापा मारकर कराया बंद

मऊ एस डी एम राम ऋषि रमन और बीईओ कृष्ण दत्त पाण्डेय ने सोमवार को विद्यालय पंहुच कर संचालक को नोटिस देते हुए निर्देश दिए हैं कि वह अमान्य किंगसन पब्लिक स्कूल मऊ का संचालन बंद करते हुए अवगत कराएं अन्यथा नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। मऊ विकास खंड मुख्यालय में बिना मान्यता चल रहे स्कूल को उप जिलाधिकारी राम ऋषि रमन के निर्देश पर खंड शिक्षाधिकारी कृष्णदत्त पांडेय ने तत्काल बंद करा दिया है। संचालक को चेतावनी दी गई है कि अगर संचालन बंद कर अवगत नहीं कराया तो कार्रवाई की जाएगी।

मऊ ब्लाक अंतर्गत मंडौर गांव निवासी रामसजीवन ने 19 नवंबर को आईजीआरएस में शिकायत की थी कि उसका छोटा भाई शिवम मऊ के किंगसन पब्लिक स्कूल में कक्षा तीन का छात्र है। उसका एक आवश्यक फार्म भरा जाना था पर पता चला कि इस नाम से कोई विद्यालय पंजीकृत ही नहीं है। संचालक ने अंग्रेजी माध्यम का विद्यालय बताकर छात्रों का पंजीकरण किसी अन्य हिंदी माध्यम विद्यालय में करा रखा है। उसने यह भी आरोप लगाया था कि विद्यालय में फार्म भरने के नाम पर दो सौ रुपये मांगे जा रहे हैं। बीईओ ने बताया कि शिक्षा निदेशक बेसिक उप्र लखनऊ ने प्रदेश में बिना मान्यताप्राप्त विद्यालयों के संचालन के संबंध में निर्देश दिए हैं। इसमें कहा गया है कि निशुल्क एवं अनिवार्य बाल शिक्षा अधिकार अधिनियम 2009 लागू होने के पश्चात बिना मान्यता कोई स्कूल स्थापित या संचालित नहीं किया जा सकता। कोई व्यक्ति अगर मान्यता प्रमाणपत्र प्राप्त किए बिना विद्यालय स्थापित करता है या चलाता है या मान्यता वापस लेने के बाद विद्यालय चलाना जारी रखता है तो एक लाख तक जुमार्ना किया जा सकता है। मऊ एस डी एम राम ऋषि रमन और बीईओ कृष्ण दत्त पाण्डेय ने सोमवार को विद्यालय पंहुच कर संचालक को नोटिस देते हुए निर्देश दिए हैं कि वह अमान्य किंगसन पब्लिक स्कूल मऊ का संचालन बंद करते हुए अवगत कराएं अन्यथा नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

ज्वैलर्स एसोसिएशन के राष्ट्रीय प्रभारी रोहिल अग्रवाल बने प्रथम यात्री

अब हेलीकॉप्टर से चित्रकूट से मैहर जा सकेंगे श्रृद्धालु

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट ब्यूरो। चित्रकूट में आरोग्यधाम हेलीपैड से सोमवार को चित्रकूट- मैहर-जबलपुर हेली पर्यटन योजना की शुरूआत की गई। मप्र की राज्यमंत्री प्रतिमा बागड़ी ने पहली उड़ान पर जाने वाले यात्रियों को पुष्पगुच्छ भेंट किया।

इस मौके पर बताया गया कि पर्यटन योजना के तहत चित्रकूट से मैहर और जबलपुर तक यात्री सोमवार और मंगलवार को पांच सीटर हेलीकॉप्टर पर यात्रा कर सकते हैं। चित्रकूट से मैहर का एक बार का किराया 2500 रुपये है। इसके अलावा जबलपुर तक का किराया 7500 रुपये रहेगा। इस दौरान चित्रकूट से मैहर जाने वाले प्रथम यात्री ज्वैलर्स एसोसिएशन के राष्ट्रीय प्रभारी रोहिल अग्रवाल, सुशील साहू, अभिषेक सोनी, अंकुश केसरवानी, अविरल अग्रवाल चित्रकूट और मैहर से चित्रकूट आने वाले रितेश शाह रहे। इस मौके पर सतना सांसद गणेश सिंह, चित्रकूट (मप्र) विधायक सुरेंद्र सिंह अहिरवार, सतना जिलाधिकारी सतीश कुमार, पुलिस अधीक्षक हंसराज सिंह आदि मौजूद रहे। हेलीपैड के पास फायर ब्रिगेड और एंबुलेंस की व्यवस्था थी। आरोग्यधाम परिसर में बने हेलीपैड से 20 नवंबर से हेलीकाप्टर की सेवा शुरू होनी थी। मेसर्स जेट सर्विस एविएशन प्राइवेट लिमिटेड ने हेलीकॉप्टर सेवा प्रारंभ करने के लिए जिला प्रशासन से सहयोग मांगा। यह सेवा सार्वजनिक निजी भागीदारी (पीपीपी) के तहत निजी ऑपरेटर के सहयोग से चलेगी। बताया कि मैहर और चित्रकूट में हेलीकॉप्टर सेवा शुरूआती दौर में सप्ताह के दो दिन सोमवार और मंगलवार को उपलब्ध होगी।

हजारों लोगों ने निःशुल्क स्वास्थ्य सेवाओं का उठाया लाभ

सीएम आरोग्य स्वास्थ्य मेला संपन्न

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। समाज के वंचित लोगों को एक ही बैनर तले उपचार मुहैया कराये जाने के दृष्टिगत जनपद के 28 ग्रामीण प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र व एक शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र में रविवार को मुख्यमंत्री आरोग्य स्वास्थ्य मेले का आयोजन किया गया। इस दौरान एक हजार एक सौ चौदह लाभार्थियों को स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराई गई।

मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ भूपेश द्विवेदी ने बताया कि मेले में कुल 1114 लाभार्थियों को स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध करायी गयी हैं। जिसमें 513 पुरुष, 415 महिला एवं 186 बच्चे सम्मिलित हैं। आरोग्य स्वास्थ्य मेला में कुल 43 चिकित्सको, 105 पैरामेडिकल कर्मियों द्वारा सेवायें प्रदान की गयी। मेले में मुख्य रुप से संचारी रोग, फाईलेरिया, कुष्ठ रोग, क्षयरोग, मातृ स्वास्थ्य, बाल स्वास्थ्य, किशोर स्वास्थ्य परिवार नियोजन, आयुष्मान भारत-गोल्डेन कार्ड व जननी सुरक्षा योजना से संबंधित सेवाएं दी गयीं तथा जानकारी के लिए प्रर्दशनी व स्टाल भी लगाये गये।

शासन के निर्देश पर जनपद स्तर से नामित नोडल अधिकारी अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी व उप मुख्य चिकित्सा अधिकारी एवं सभी ब्लॉक के चिकित्सा अधीक्षक द्वारा मेले का निरीक्षण किया गया। उन्होंने जनपद के सभी जनमानस से प्रत्येक रविवार को आयोजित मुख्यमन्त्री जन आरोग्य मेला में अधिक से अधिक संख्या उपस्थित होकर इलाज व अन्य सुविधाए प्राप्त करने की अपील की है।

अरछा बरेठी में पैश्वनी नदी का तेज कटान, सौ से अधिक परिवार पर संकट

- **जिलाधिकारी से कटानरोधी कार्य कराने की गुहार**
- **ग्रामीणों का कहना है कि अब तक सैकड़ों घर कटान की भेंट चढ़ चुके हैं और कई परिवार बेघर होकर खेतों में अस्थायी झोपड़ियाँ डालकर रहने को मजबूर हैं**

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। तहसील राजापुर के विकास खंड पहाड़ी के ग्राम पंचायत अरछा बरेठी में पैश्वनी नदी का तेजी से हो रहा कटान ग्रामीणों की बड़ी समस्या बन गया है। नदी के किनारे बसे दर्जनों परिवार हर बरसात के मौसम में अपने घर-बार व कृषि भूमि को कटान से बचाने के लिए चिंतित रहते हैं। स्थानीय ग्रामीणों ने जिला प्रशासन से कटानरोधी कार्य कराने की मांग उठाई है।

ग्रामीण समाजसेवी शंकर यादव ने जिलाधिकारी को प्रेषित पत्र में बताया कि पैश्वनी नदी गांव के मध्य से होकर गुजरती है और लगभग 200 मीटर क्षेत्र में आबादी सीधे नदी के किनारे बसी हुई है। बरसात के समय नदी में बढ़ाव आते ही तीव्र कटान शुरू हो जाता है। कटान के चलते नदी किनारे बनी एप्रोच रोड और नवनिर्मित पुल की नींव तक कमजोर हो रही है।

ग्रामीणों का कहना है कि अब तक सैकड़ों घर कटान की भेंट चढ़ चुके हैं और कई परिवार बेघर होकर खेतों में अस्थायी झोपड़ियाँ डालकर रहने को मजबूर हैं। खेतों की मिट्टी बह जाने से किसानों को भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है। लोगों का कहना है कि हर साल जानझमाल के खतरे के बीच रहना उनकी मजबूरी बन गई है।

यादव ने जिलाधिकारी से अपील करते हुए कहा कि यदि शीघ्र कटानरोधी कार्य नहीं कराए गए, तो आने वाले बरसात के मौसम में स्थिति और भी भयावह हो सकती है। उन्होंने प्रशासन से नदी किनारे पक्की सुरक्षा दीवार, पत्थर क्रेट और अन्य तकनीकी उपाय कराने की मांग की है, ताकि गांव की आबादी सुरक्षित रह सके।

ग्रामीणों ने आशा व्यक्त की है कि जिला प्रशासन जल्द ही टीम भेजकर समस्या का स्थलीय निरीक्षण कराएगा और स्थायी समाधान की दिशा में कदम उठाएगा।

रूस पर पाकिस्तानी मीडिया की उड़ाई गई हवा-हवाई बातों का फ्रांसीसी नौसेना ने किया पदार्फाश

पाकिस्तान

पाकिस्तानी मीडिया के उन दावों को फ्रांसीसी नौसेना ने "बड़ी गलत जानकारी" बताते हुए पूरी तरह से गलत करार दिया है, जिसमें फ्रांसीसी कमांडर द्वारा पाकिस्तान की हवाई श्रेष्ठता की पुष्टि का जिक्र था। यह घटना भारत के 'ऑपरेशन सिंदूर' के बाद आई है, जिसमें पाकिस्तानी सेना को भारी नुकसान हुआ था, और यह भारतीय रक्षा तंत्र के खिलाफ पाकिस्तान के बेबुनियाद दावों की पोल खोलता है।

फ्रांसीसी नौसेना ने रविवार को पाकिस्तानी मीडिया के उन दावों को पूरी तरह से गलत बताया जिनमें कहा गया था कि मई 2025 की हवाई लड़ाई के दौरान फ्रांस के एक कमांडर ने भारत पर पाकिस्तान की हवाई श्रेष्ठता की पुष्टि की थी। नौसेना ने इन रिपोर्टों को बड़ी गलत जानकारी बताया।

क्या था पाकिस्तानी मीडिया का दावा?

पाकिस्तान के जियो टीवी ने एक लेख प्रकाशित किया था, जिसमें दावा किया गया था कि फ्रांसीसी कमांडर कैप्टन जैक्विस लौने ने 'ऑपरेशन सिंदूर' नामक हवाई संघर्ष में पाकिस्तान के दबदबे की पुष्टि की थी।

लेख में यह भी दावा किया गया था कि पाकिस्तान एयर फोर्स 'बेहतर तरीके से तैयार' थी और राफेल फाइटर जेट को चीनी ख-10उ फाइटर की तकनीकी श्रेष्ठता के कारण नहीं गिराया गया था।

फ्रांसीसी नौसेना का जवाब

इन दावों को 'फेक न्यूज' बताते हुए, फ्रांसीसी नौसेना ने कहा, 'ये बयान कैप्टन लौने के नाम से दिए गए थे, जिन्होंने कभी किसी प्रकाशन के लिए अपनी मंजूरी नहीं दी थी। आर्टिकल में बहुत ज्यादा गलत जानकारी और तथ्यहीन बातें हैं।'

भारत में प्रतिक्रिया

इस घटना पर ऑनलाइन कड़ी आलोचना हुई। भाजपा नेता अमित मालवीय ने इसे पाकिस्तान की 'हताश गलत जानकारी देने वाली मशीनरी' का सबूत बताया।

मालवीय ने कहा कि जब सरकारी संस्थाएं उनके प्रोपेगैंडा को गलत साबित करना शुरू करती हैं, तो यह दिखाता है कि पाकिस्तान की गलत जानकारी फैलाने वाली मशीनरी कितनी हताश हो गई है।

कई अन्य लोगों ने भी इसी तरह पाकिस्तानी मीडिया की आलोचना की, जो भारत के खिलाफ बेबुनियाद दावे करने के लिए जाना जाता है।

यह विवाद मई में हुए 'ऑपरेशन सिंदूर' से जुड़ा है। भारत ने पहलगाम आतंकी हमले के जवाब में यह सैन्य कार्रवाई शुरू की थी, जिसमें 26 बेगुनाह लोग मारे गए थे। भारत की इस तेज कार्रवाई से पाकिस्तानी सेना को भारी नुकसान हुआ, जिसके बाद इस्लामाबाद के अनुरोध पर दोनों पक्ष सीजफायर (युद्धविराम) के लिए सहमत हुए थे।

सुधार अब विकल्प नहीं, बल्कि अनिवार्यता है : प्रधानमंत्री मोदी

दक्षिण अफ्रीका

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) में सुधारों की जोरदार वकालत करते हुए रविवार को कहा कि भारत, ब्राजील और दक्षिण अफ्रीका (इब्सा) के त्रिपक्षीय मंच को यह स्पष्ट संदेश देना चाहिए कि वैश्विक संस्था में बदलाव अब विकल्प नहीं, बल्कि अनिवार्यता है।

मोदी ने यहां इब्सा नेताओं के शिखर सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि ऐसे समय में जब दुनिया बंटी और विभाजित नजर आती है, इब्सा एकता, सहयोग और मानवता का संदेश दे सकता है। दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति सिरिल रामफोसा और ब्राजील के राष्ट्रपति लूला दा सिल्वा को संबोधित करते हुए मोदी ने तीनों देशों के बीच सुरक्षा सहयोग को मजबूत करने के लिए इब्सा एनएसए स्तरीय बैठक को संस्थागत बनाने का प्रस्ताव रखा।

मोदी ने कहा, ह्यह्यआतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में हमें घनिष्ठ समन्वय के साथ आगे बढ़ना होगा। इतने गंभीर मुद्दे पर दोहरे मापदंड के लिए कोई जगह नहीं है।ह्लह्ल मानव-केंद्रित विकास सुनिश्चित करने में प्रौद्योगिकी की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डालते हुए, प्रधानमंत्री ने तीनों देशों के बीच यूपीआई जैसे डिजिटल सार्वजनिक बुनियादी ढांचे, कोविन जैसे स्वास्थ्य मंचों, साइबर सुरक्षा ढांचे और महिलाओं के नेतृत्व वाली तकनीकी पहल को साझा करने की सुविधा के लिए ह्यइब्सा डिजिटल नवाचार गठबंधनह्ल की स्थापना का भी प्रस्ताव रखा। ह्यइब्साह्ल समूह दक्षिण-दक्षिण सहयोग को बढ़ावा देने, वैश्विक शासन प्रणालियों में सुधारों को आगे बढ़ाने और विकासशील देशों के बीच सहयोग बढ़ाने पर केंद्रित है।

USA की सेकंड लेडी ऊषा के 'रिंगलेस' लुक से अमेरिका में मची खलबली

क्या है वजह?

अमेरिका

यूनाइटेड स्टेट्स की सेकंड लेडी उषा वेंस अपनी एक हालिया सार्वजनिक उपस्थिति के कारण चर्चा में हैं। 19 नवंबर को नॉर्थ कैरोलिना के कैंप लेज्यून में फर्स्ट लेडी मेलानिया ट्रंप के साथ एक दौरे के दौरान उन्हें अपनी शादी की अंगूठी के बिना देखा गया, जिसके बाद सोशल मीडिया पर अटकलों का बाजार गर्म हो गया।

अफवाहें हुईं तेज

तस्वीरें सामने आते ही सोशल मीडिया यूजर्स ने वाइस प्रेसिडेंट जेडी वेंस और उषा के रिश्ते में तनाव की बातें शुरू कर दीं।

कई लोगों ने इसे लंबे समय से चल रही अफवाहों की पुष्टि माना, जबकि कुछ ने इस पर मजाक उड़ाया।

टीम ने दिया स्पष्टीकरण

मामले की बढ़ती गंभीरता को देखते हुए, उषा की टीम ने तुरंत हस्तक्षेप किया। उनके एक प्रवक्ता ने 'पीपल' को बताया कि तीन बच्चों की मां, उषा का दिन 'बहुत सारे बर्तन धोने, बहुत सारे नहलाने और कभी-कभी अपनी अंगूठी भूलने' में गुजरता है।

एरिका-वेंस का गले मिलने वाला विवाद

यह कपल पिछले कई महीनों से सार्वजनिक जांच का सामना कर रहा है। विवाद तब और बढ़ा जब वाइस प्रेसिडेंट जेडी वेंस को टर्निंग पॉइंट यूएसए इवेंट में कंजर्वेटिव एक्टिविस्ट चार्ली किर्क की विधवा एरिका किर्क को गले लगाते हुए देखा गया। पिछले महीने, एरिका ने एक कार्यक्रम में वेंस का परिचय कराते हुए कहा था कि उन्हें वेंस में अपने पति जैसी 'कुछ एक जैसी बातें' नजर आती हैं।

धर्म परिवर्तन वाली टिप्पणी

पिछले महीने वेंस ने एक और विवाद को जन्म दिया था, जब उन्होंने टर्निंग पॉइंट यूएसए की भीड़ से कहा था कि उन्हें उम्मीद है कि उनकी पत्नी उषा, जो हिंदू हैं, आखिरकार कैथोलिक धर्म अपना लेंगी। यह धर्म वेंस ने स्वयं 2019 में अपनाया था।

उषा और जेडी वेंस की मुलाकात येल लॉ स्कूल में हुई थी और उन्होंने 2014 में शादी की। उनके तीन बच्चे इवान (8), विवेक (5), और मिराबेल (3) हैं।

बस हादसे में मारे गए भारतीय जायरीनों का मदीना में अंतिम संस्कार

सऊदी अरब

सऊदी अरब में बस हादसे में मारे गए 44 भारतीय जायरीनों का शनिवार को मदीना में अंतिम संस्कार किया गया। सऊदी अरब स्थित भारतीय दूतावास ने यह जानकारी दी है। गत सोमवार को मदीना के पास एक बस और ईंधन टैंकर के बीच हुई टक्कर में 44 भारतीय जायरीनों की मौत हो गई थी, जिनमें से 42 तेलंगाना के थे।

भारतीय दूतावास ने बताया कि आंध्र प्रदेश के राज्यपाल एस अब्दुल नजीर ने मदीना में मस्जिद-ए-नबवी में जनाजे की नमाज में हिस्सा लिया। उसने बताया कि हादसे में मारे गए सभी भारतीय जायरीनों को मदीना स्थित जन्नत उल बकी के कब्रिस्तान में दफनाया गया।

बांग्लादेश की राजधानी ढाका में 5.7 तीव्रता का भूकंप आया, 10 की मौत

बांग्लोदश

बांग्लादेश में शुक्रवार को 5.7 तीव्रता के भूकंप आने के 32 घंटे के भीतर तीन और झटके महसूस किये गए जिससे दहशत फैल गई। विशेषज्ञों ने बड़े भूकंप की चेतावनी देते हुए इन चार भूकंप को पूर्ववर्ती झटके करार दिया है। बांग्लोदश में शुक्रवार सुबह 5.7 तीव्रता का भूकंप आया था, जिससे कम से कम 10 लोगों की मौत हो गई और राजधानी ढाका समेत देश के बीच के हिस्सों में इमारतों को काफी नुकसान हुआ, जबकि शनिवार सुबह लगभग उसी समय पूरे देश में भूकंप के झटके महसूस किए गए।

बांग्लादेश की राजधानी और आसपास के प्रशासनिक जिलों में शनिवार शाम को एक के बाद एक दो झटके महसूस किए गए। नरसिंगडी भूकंप का केंद्र था, जहां शुक्रवार को 5.7 तीव्रता का भूकंप आया था।

बांग्लादेश मौसमविज्ञान विभाग (बीएमडी) ने बताया कि बाद के तीन झटकों में से एक का केंद्र राजधानी के भीड़भाड़ वाले बड्डा इलाके की सतह के नीचे था, जबकि बाकी का केंद्र नरसिंगडी में था।

मौसम विभाग के प्रवक्ता और मौसम वैज्ञानिक तारिफुल नवाज कबीर ने बताया कि शनिवार शाम करीब छह बजे एक साथ दो भूकंप आए, जिनमें से एक का केंद्र ढाका के बड्डा इलाके में और दूसरे का नरसिंगडी में था। बांग्लादेश में आए पहले भूकंप में कम से कम 10 लोग मारे गए और कई सौ लोग घायल हो गए।

शांति प्रस्ताव 'आखिरी ऑफर' नहीं- राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप

अमेरिका

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शनिवार को उम्मीद जताई कि किसी न किसी तरह रूस-यूक्रेन युद्ध रुक जाएगा। इसके साथ ही उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि यूक्रेन युद्ध खत्म करने का उनका शांति प्लान उनका 'आखिरी ऑफर' नहीं है।

जब रिपोर्टर्स ने ट्रंप से पूछा कि क्या उनका 28-सूत्रीय प्रस्ताव, जिसमें यूक्रेन को अपना इलाका छोड़ना होगा, अपनी सेना कम करनी होगी और नाटो (ठअळड) में कभी शामिल न होने का वादा करना होगा, यूक्रेन के लिए उनका आखिरी ऑफर है, तो ट्रंप ने सीधा जवाब दिया, 'नहीं।'

उन्होंने जोर देकर कहा, 'हम इसे खत्म करने की कोशिश कर रहे हैं। किसी न किसी तरह, हमें इसे खत्म करना ही होगा।'

जेलेंस्की और पुतिन ने इसपर क्या कहा?

यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की ने इस प्लान पर ठंडी प्रतिक्रिया दी है और कहा है कि वह जल्द ही 'दूसरे विकल्प' का प्रस्ताव देंगे। वहीं, रूसी नेता व्लादिमीर पुतिन ने कहा कि वह प्लान की डिटेल्स पर बात करने को तैयार हैं, लेकिन अगर कीव ने मना कर दिया, तो मॉस्को फरवरी 2022 में शुरू किए गए यूक्रेन पर अपने हमले को जारी रखेगा।

ट्रंप की समयसीमा और चेतावनी

शुक्रवार को ट्रंप ने कहा था कि 27 नवंबर, जिस दिन अमेरिका थैंक्सगिविंग मनाता है, जेलेंस्की के लिए डील पर सहमत होने का 'सही समय' है, लेकिन उन्होंने बाद में इशारा किया कि यह समयसीमा लचीली हो सकती है।

ट्रंप ने रिपोर्टर्स से कहा, 'उन्हें यह (डील) पसंद आना चाहिए, और अगर उन्हें यह पसंद नहीं है, तो आप जानते हैं, उन्हें बस लड़ते रहना चाहिए।

बांग्लादेश प्रशासन का बढ़ता खर्च, पिछले एक साल में 14 % बढ़ा कर्ज

बांग्लादेश । बांग्लादेश सरकार का कर्ज लगातार बढ़ता जा रहा है और बीते एक साल में इसमें 14 प्रतिशत का इजाफा हुआ है। बांग्लादेश सरकार के वित्तीय विभाग की ओर से जारी की गई ताजा अपडेट में बताया गया कि कुल सरकारी कर्ज अब बढ़कर जून 2025 तक 21,44,340 करोड़ टका - बांग्लादेश की स्थानीय मुद्रा (भारतीय रुपयों में करीब 15,68,056 करोड़) हो गया है, जो कि पिछले साल के कर्ज 18,89,000 करोड़ टका से 14 प्रतिशत अधिक है। इसमें 9,49,000 करोड़ टका विदेशी कर्ज है, जबकि 11,95,000 करोड़ टका घरेलू कर्ज है। एक तरफ बांग्लादेश सरकार का कर्ज बढ़ता जा रहा है। वहीं, दूसरी तरफ राजनीतिक अस्थिरता, कानून व्यवस्था की कमी से देश की अर्थव्यवस्था कमजोर होती जा रही है।

चीन ने संयुक्त राष्ट्र में जापान की ताइवान नीति पर उठाए सवाल, टोक्यो के अधिकारी ने दावे को बताया निराधार

टोक्यो। जापान और चीन के बीच ताइवान को लेकर कूटनीतिक तनाव एक बार फिर उभर आया है। शनिवार को एक औपचारिक खत सामने आया जिसमें चीन ने संयुक्त राष्ट्र महासचिव से जापान की ताइवान नीति पर कई सवाल खड़े किए थे। पत्र में दावा किया गया कि जापान ने ताइवान से जुड़ी अपनी पुरानी नीति में बदलाव कर लिया है और वह संभावित चीनी कार्रवाई की स्थिति में सैन्य हस्तक्षेप का अधिकार समझने लगा है।

एक जापानी अधिकारी ने चीन के इस दावे को "निराधार" बताया।

चीन ने शुक्रवार को यूनाइटेड नेशंस को भेजे एक लेटर में कसम खाई कि अगर जापान ने "ताइवान स्ट्रेट में सैन्य दखल देने की हिम्मत की," तो वह जापान के खिलाफ पूरी तरह से खुद का बचाव करेगा।

जापान टुडे के मुताबिक, जापानी सरकार की वरिष्ठ प्रवक्ता माकी कोबायाशी ने शनिवार को जोहान्सबर्ग में मीडिया के सवालों के जवाब में कहा, "मुझे इस खत के बारे में पता है। यह दावा कि हमारे देश ने अपना रुख बदल दिया है, पूरी तरह से बेबुनियाद है।"

कोबायाशी ने कहा, ह्लहमने चीनी पक्ष को बार-बार अपनी बातों का संदर्भ और अपनी स्थिति के बारे में बताया। यही नहीं, हम तो बातचीत के लिए भी तैयार हैं।

चीन का आरोप है कि जापानी प्रधानमंत्री की ताइवान संबंधी टिप्पणी क्षेत्रीय शांति के लिए खतरा है और इसे वह अपनी संप्रभुता पर सीधा आक्रमण मानता है। उसकी चेतावनी है कि ताइवान मसले में किसी भी तरह का बाहरी कदम ह्लहमलेह्व के समान माना जाएगा और चीन अपनी रक्षा करेगा। जापान का कहना है कि उसकी नीति में कोई बदलाव नहीं हुआ है और वह क्षेत्रीय स्थिरता व संवाद चाहता है।

यह विवाद ऐसे समय में सामने आया है जब एशिया-प्रशांत में सुरक्षा माहौल पहले से संवेदनशील है। हाल की राजनीतिक टिप्पणियां चीन की नजर में चुनौती के रूप में देखी जा रही हैं। जापान ने यह स्पष्ट करने की कोशिश की है कि ताइवान पर कोई भी तनाव सीधे उसकी सुरक्षा को प्रभावित कर सकता है, वहीं चीन का कहना है कि ताइवान उसका आंतरिक मामला है और किसी तीसरे देश की दखल अंदाजी बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

इस विवाद का असर व्यापारिक और कूटनीतिक रिश्तों पर पड़ता दिखने भी लगा है। दोनों देशों के बीच संबंध पहले ही कई मुद्दों को लेकर खिंचे हुए हैं ।

अखंड भारत संदेश
स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक
स्वामी श्री योगी सत्यम् फॉर योग सत्संग समिति द्वारा विपिन इण्टरप्राइजेज 1/6C माधव कुंज कटरा, प्रयागराज से मुद्रित एवं क्रियायोग आश्रम एण्ड अनुसंधान संस्थान झूंसी, प्रयागराज उत्तर प्रदेश से प्रकाशित
सम्पादक
स्वामी श्री योगी सत्यम्
RNI NO. UPHIN/2001/09025
प्रबन्धक
अनूप मिश्रा
ऑफिस मो.:
9565333000
Email:
akhandbharatsandesh1@gmail.com
सभी विवादो का न्याय क्षेत्र प्रयागराज होगा

शेख हसीना और उनके परिवार पर जमीन घोटाले का आरोप, मामले में 27 नवंबर को आएगा फैसला

ढाका। बांग्लादेश की अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना, छोटी बहन शेख रेहाना, हसीना की बेटी साइमा वाजेद पुतुल और बेटे सजीब वाजेद जॉय पर जमीन घोटाले का आरोप है। इस भ्रष्टाचार मामले में फैसला 27 नवंबर को आएगा।

'पुर्बाचल न्यू सिटी प्रोजेक्ट' में सरकारी जमीन के बंटवारे में कथित गड़बड़ियों को लेकर दर्ज तीन अलग-अलग भ्रष्टाचार केस में फैसला सुनाने के लिए 27 नवंबर की तारीख तय की है। स्थानीय मीडिया ने इसकी जानकारी दी।

ढाका स्पेशल जज कोर्ट-5 के जज मोहम्मद अब्दुल्ला अल मामून ने रविवार को ही तारीख तय की।

शेख हसीना और 12 अन्य के खिलाफ केस में बहस रविवार को पहले ही खत्म हो गई। कोर्ट ने पहले बहस के लिए 23 नवंबर की तारीख तय की थी। जॉय और पुतुल को भी उसी तारीख को दो संबंधित केस में अपना बचाव पेश करने के लिए कहा गया है।

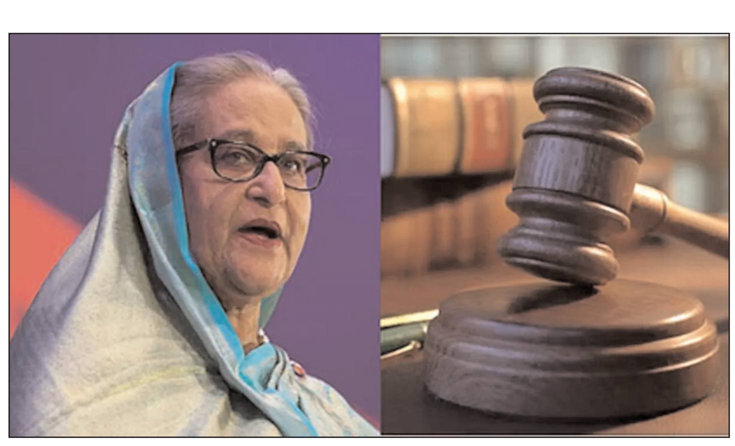

ढाका ट्रिब्यून के अनुसार, बांग्लादेश की भ्रष्टाचार विरोधी आयोग एसीसी (एंटी-करप्शन कमीशन) के वकील अबुल कलाम आजाद ने मीडिया को बताया कि 17 नवंबर को जज अब्दुल्ला अल मामून ने शेड्यूल तय करने से पहले एसीसी के उप निदेशक अफनान जन्नत केया से पूछताछ की।

आत्म समर्पण करने वाले एकमात्र आरोपी, पूर्व राजुक (राजधानी उन्नयन कर्तृपक्खा, बांग्लादेश के शहरी आवास से संबंधित विकास प्राधिकरण) सदस्य खुर्शीद आलम, कोर्ट में मौजूद थे।

उन्होंने कहा कि वह अपनी ओर से कोई गवाह पेश नहीं करेंगे और अपनी बेगुनाही दोहराई। वह अभी कस्टडी में अकेले आरोपी भी हैं।

31 जुलाई को, शेख हसीना और शेख रेहाना (शेख हसीना की छोटी बहन) के परिजनों के खिलाफ छह अलग-अलग मामलों में चार्ज फ्रेम किए गए थे, जिससे ट्रायल की औपचारिक शुरूआत हुई।

एसीसी ने पिछले साल जनवरी में ये केस फाइल किए थे, जिसमें आरोप लगाया गया था कि शेख हसीना और उनके परिवार के सदस्यों ने राजुक अधिकारियों की मदद से, सेक्टर 27 के डिप्लोमैटिक जोन में गैर-कानूनी तरीके से छह 10-कट्ठा प्लॉट हासिल किए।

भ्रष्टाचार विरोधी एजेंसी ने 25 मार्च को सभी छह मामलों में चार्जशीट जमा कीं। कुल 29 आरोपियों पर 31 जुलाई को आरोप लगाए गए और उन्हें फरार घोषित कर दिया गया।

अलग से, ढाका स्पेशल जज कोर्ट-4 ने पुर्बाचल में 30-कट्ठा प्लॉट वितरण को लेकर शेख रेहाना और 17 अन्य के खिलाफ एक और एसीसी मामले में आखिरी दलील के लिए 25 नवंबर की तारीख तय की है।

एसीसी ने पिछले साल 26 दिसंबर को शेख हसीना और उनके परिवार के सदस्यों को प्लॉट बांटने के आरोपों की जांच शुरू की थी। बाद में पूर्व प्रधानमंत्री और उनके रिश्तेदारों झ जिनमें जॉय, पुतुल, शेख रेहाना, ब्रिटिश एमपी ट्यूलिप सिद्दीकी, राडवान मुजीब और अजमीना सिद्दीकी शामिल हैं झ पर पुर्बाचल में कुल 60 कट्ठा जमीन हासिल करने के लिए सरकारी ताकत का गलत इस्तेमाल करने का आरोप लगाते हुए चार्जशीट फाइल की गईं।

आरोप है कि बड़े सरकारी पदों पर रहते हुए शेख हसीना और उनके परिवार के सदस्यों ने सत्ता का गलत इस्तेमाल किया और पूरी प्रक्रिया में गड़बड़ी करके प्लॉट हासिल किए गए थे।

कोर्ट पहले ही हसीना को मानवता का दोषी मान 78 वर्षीय शेख हसीना को मौत की सजा सुना चुकी है। बांग्लादेश की अदालत ने 17 नवंबर को ये फैसला सुनाया था।